दैनिक

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

jaipurtimes.org
twitter.com/JaipurTimes2
dainikjaipurtimes
youtube.com/c/JaipurTimes
instagram.com/jaipurtimesjt

वर्ष : 10 | अंक : 28 | डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 | जयपुर, सोमवार 17 फरवरी, 2025 | RNI.No.RAJHIN/2016/70162 | मूल्य : 1.5 रुपए | पृष्ठ : 8+2

न्यूज इनबॉक्स

'सुप्रीम' टिप्पणीः कार्यस्थल पर डांट-फटकार अपराध नहीं

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली।(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया है कि कार्यस्थल पर किसी वरिष्ठ अधिकारी की तरफ से डांट-फटकार देना जान बूझकर अपमान की श्रेणी में नहीं आता और इस पर आपराधिक कार्रवाई नहीं हो सकती। मामले में शीर्ष अदालत ने कहा कि अगर ऐसे मामलों में आपराधिक आरोप लगाने की अनुमति दी गई, तो इससे कार्यस्थल का अनुशासन प्रभावित होगा और पूरे तंत्र पर नकारात्मक असर पड़ेगा। मामले की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति संजय करोल और संदीप मेहता की पीठ ने स्पष्ट किया कि केवल गुस्से में कही गई बातें, रूखा व्यवहार या असभ्य भाषा आईपीसी की धारा 504 के तहत जानबूझकर अपमान की श्रेणी में नहीं आते। सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला एक 2022 के आपराधिक मामले को रद्द करते हुए दिया। यह मामला राष्ट्रीय बौद्धिक दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान के कार्यकारी निदेशक के खिलाफ था। एक सहायक प्रोफेसर ने उनके खिलाफ शिकायत की थी कि उन्होंने अन्य कर्मचारियों के सामने उसे डांटा था।शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया था कि निदेशक ने संस्थान में कोविड-19 संक्रमण से बचाव के लिए पर्याप्त पीपीई किट उपलब्ध नहीं करवाई, जिससे संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ गया। अदालत ने कहा कि इस मामले में लगाए गए आरोप पूरी तरह से काल्पनिक लगते हैं और आईपीसी की धारा 269 व 270 (जो संक्रामक बीमारी फैलाने से जुड़ी हैं) के तहत अपराध सिद्ध करने के लिए काफी नहीं हैं। मामले में कोर्ट ने फैसला देते हुए कहा कि अगर वरिष्ठ अधिकारी कार्यस्थल पर अनुशासन बनाए रखने और कर्मचारियों को उनकी जिम्मेदारियों का एहसास कराने के लिए फटकार लगाता है, तो इसे जानबूझकर अपमान नहीं माना जा सकता। वरिष्ठ अधिकारी से यह उम्मीद की जाती है कि वह अपने अधीनस्थ कर्मचारियों से ईमानदारी और समर्पण के साथ काम करने की अपेक्षा रखे। यह फैसला 10 फरवरी को सुनाया गया था।

हिंदी भाषा संयुक्त राष्ट्र के लिए है अत्यंत महत्वपूर्ण

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)। दुनिया में 60 करोड़ लोगों की ओर से बोली जाने वाली हिंदी भाषा संयुक्त राष्ट्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। संयुक्त राष्ट्र के एक शीर्ष अधिकारी ने यह बात कही है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने गुरुवार को यहां अपने परिसर में बहुभाषिकता और विदेशों में हिंदी का प्रचार विषय पर विश्व हिंदी दिवस मनाया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि, महिला व बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने अपने संबोधन में कहा कि भारत का सामाजिक ताना-बाना बहुभाषीय और बहुसांस्कृतिक है। मिशन की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, उन्होंने कहा कि हिंदी को और अधिक लोकप्रिय भाषा बनाने के लिए कई पहल की जा रही हैं और संयुक्त राष्ट्र की ओर से मान्यता मिलने से यह वैश्विक भाषा बन जाएगी। संयुक्त राष्ट्र की वैश्विक संचार उप महासचिव मेलिसा फ्लेमिंग ने कहा कि 60 करोड़ लोगों की ओर से बोली जाने वाली हिंदी भाषा संयुक्त राष्ट्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हिंदीञ्चयूएन परियोजना और विभिन्न सोशल मीडिया अपडेट संयुक्त राष्ट्र की गतिविधियों को हिंदी भाषियों के करीब ला रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने इस बात पर जोर दिया कि हिंदी को संयुक्त राष्ट्र में गैर-आधिकारिक भाषाओं की सूची में शामिल कर लिया गया है।

राजनौता में उप मुख्यमंत्री ने किया एमडीआर रोड का शिलान्यास

एक वर्ष के कार्य महज ट्रेलर, विकास की पूरी पिक्चर अभी बाकीः दिया कुमारी

जयपुर टाइम्स

पावटा (निस)। प्रदेश के समग्र विकास को नई गति देने के राज्य सरकार के संकल्प के तहत रविवार को मुख्य अतिथि के रूप में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने तहसील पावटा के राजनौता में राजकीय विद्यालय के खेल मैदान में आयोजित कार्यक्रम में बजट घोषणा 2024/25 के तहत एमडीआर रोड़ /228 का शिलान्यास किया। इस अवसर पर नगरीय विकास व स्वायत्त शासन विभाग मंत्री झाबर सिंह खर्रा, सांसद जयपुर ग्रामीण राव राजेंद्र सिंह, विधायक विराटनगर कुलदीप धनखड़ व बानसूर विधायक देवी सिंह शेखावत सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

प्रदेश के समग्र कल्याण के लिए राज्य सरकार ने दी सौगातेंः खर्रा

कार्यक्रम में नगरीय विकास व स्वायत्त शासन विभाग मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन व मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार ने रामजल सेतु परियोजना(संशोधित ईआरसीपी) के माध्यम से राजस्थान के कई जिलों में सिंचाई और पेयजल की समस्या दूर करने की दिशा में विभिन्न कार्यों को शुरू किया है। उन्होंने कहा कि गत वर्ष में राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश की आकांक्षाओं को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। अपने प्रथम कार्यकाल में ही अनेक सौगातें राज्य सरकार ने प्रदेश को दी है। गत बजट के माध्यम से हर वर्ग की मांगों को पूरा करने के प्रयास राज्य सरकार ने किया है और आगामी बजट में भी सभी वर्गों की मांगों को ध्यान में रखा जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान सांसद जयपुर ग्रामीण राव राजेंद्र सिंह ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार ने स्वास्थ्य, सड़क सहित अन्य क्षेत्रों में अनेक सौगातें प्रदेश को देकर प्रदेश के समग्र विकास के लिए कार्य किया हैं। उन्होंने कहा कि सरकार के लिए प्रदेश के जन सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। सरकार ने आमजन की हर मांग को पूरा करने का प्रयास किया है और आगामी वर्षों में भी आमजन के हितों को केंद्र में रखते हुए उनके हितार्थ कार्य किए जाएंगे। हर वर्ग की मांगों और आवश्यकताओ को ध्यान में रखकर कार्य किया जाएगा।

70 प्रतिशत से अधिक बजट घोषणाओं को दिया मूर्त रूप

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार सबका साथङ्कसबका विकास की प्रतिबद्धता के साथ हर वर्ग के कल्याण के लिए कार्य कर रही हैं। इसी के साथ ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश के समग्र विकास के लिए संकल्पबद्ध है। सरकार हर व्यक्ति को सभी मूलभूत सेवाएं पहुंचाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि गत वर्ष मुख्यमंत्री शर्मा के नेतृत्व में सरकार ने ऐतिहासिक बजट प्रदेश को दिया था और आगामी बजट भी जनाकांक्षाओं को पूरा करने वाला रहेगा। क्षेत्रवासियों की लंबे समय से एमडीआर सड़क की मांग को राज्य सरकार ने बजट घोषणा 2024-25 के माध्यम से पूर्ण किया जिसे अब मूर्त रूप दिया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार अपने जनकल्याणकारी कार्यों और योजनाओं के माध्यम से महिला, किसान, मजदूर सहित सभी वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार की ओर से आमजन की आकांक्षाओं और हितों को ध्यान में रखते हुए 70 प्रतिशत से अधिक बजट घोषणाओं की क्रियान्विति धरातल पर की जा चुकी है और शेष कार्य भी यथासमय पूर्ण किए जाएंगे। राज्य सरकार ने बजट घोषणाओं को मूर्त रूप देने का कार्य शीघ्रता से किया है। राज्य सरकार सभी बजट घोषणाओं को शीघ्र धरातल पर उतारने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि एक वर्ष में राज्य सरकार की ओर से किए गए कल्याणकारी कार्य महज एक ट्रेलर है, विकास की पूरी पिक्चर अभी बाकी हैं, गत वर्ष के बजट की तरह आगामी बजट भी जनाकांक्षाओं को पूरा करने वाला रहेगा। उन्होंने जनसभा में आए आमजन विशेषकर मातृ शक्ति का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में विराटनगर विधायक कुलदीप धनखड़ ने क्षेत्र को एमडीआर रोड़ की सौगात देने और बजट घोषणाओं को धरातल पर उतारने के लिए क्षेत्रवासियों की ओर से मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश के विकास के लिए अपने पहले ही साल में हर संभव प्रयास किए है। उन्होंने कहा कि एमडीआर रोड़ के 45 करोड़ से 30 कि.मी. के सुदृढ़ीकरण व चौड़ाईकरण से आमजन को यातायात में आ रही समस्या से राहत मिलेगी व गांव की कनेक्टिविटी भी बेहतर होगी। साथ ही उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में प्रदेश विकास की नई ऊंचाईयों को छुएगा। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र वासियों की ओर उपमुख्यमंत्री और मंत्री के समक्ष विभिन्न मांगों को रखा।

आवागमन होगा सुगम, ग्रामीण क्षेत्रों की कनेक्टिविटी होगी बेहतर

बजट घोषणा 2024-25 के अंतर्गत 45 करोड़ की लागत से एमडीआर- 228 रोड़ के चौड़ाईकरण व सुदृढ़ीकरण कार्य राजनौता के संतोषी माता मंदिर से प्रेमनगर, सीतोपसिंहपूरा, केमरिया, टोरडा ब्राह्मण, रघुनाथपुरा (तालुकाबास), खरबूजी, सूरजपुरा होते हुए बीलवाड़ी (NH-248), धौलीकोठी तक, लुहाकना खुर्द, लुहाकना कलां (विराटनगर), कोटपूतली-बहरोड़ व NH-52 (ज्ञानपुरा) से सीकर जिले तक सीमा वाया ककराना, राजनौता, रघुनाथपुरा, भैंसलाना, सुजातनगर, मीरापुर फार्म, दातिल, तलवा रोड़, सिरसोडी, (एमडीआर,228) सड़क का शिलान्यास क्षेत्र के आर्थिक व परिवहन सुविधाओं में सुधार लाने में सहायक होगा। इस सड़क के सुदृढ़ीकरण व चौड़ाईकरण के लिए 45 करोड़ की लागत से 30 किमी रोड़ के लिए प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति जारी हो चुकी है और कार्यादेश भी जारी किए जा चुके है।

दिया कुमारी का किया भव्य स्वागतः

उपमुख्यमंत्री के कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर स्वागत द्वार पर जेसीबी से पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया और मंच पर जनप्रतिनिधियों की ओर से तलवार, साफा, चुनरी, पुष्पगुच्छ, मोमेंटो, शॉल, पुष्प माला से अभिवादन व स्वागत किया गया। इस दौरान गायक रतन फौजी ने लोक गीतों के माध्यम से राज्य सरकार व मुख्य अतिथि को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने आमजन से भेंट कर उनके परिवाद सुनें और संबंधितों नियमानुसार त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। कार्यक्रम में युवा नेता व जनप्रतिनिधि देवायुष सिंह, आरती सिंह, आशीष धनकड़, पूजा चौधरी, राजेंद्र सिंह शेखावत, विकास सिंह शेखावत सहित अन्य समाजसेवी, जनप्रतिनिधि, प्रबुद्धजन, विभिन्न गांव के सरपंच आदि उपस्थित रहें।

सीएम भजनलाल ने की योगगुरू स्वामी बाबा रामदेव से मुलाकात

जयपुर टाइम्स

जयपुर (कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर योग गुरु स्वामी रामदेव ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री के साथ राजस्थान में आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति के विकास व योग के माध्यम से जन-जन के स्वास्थ्य संवर्धन पर चर्चा की। मुख्यमंत्री शर्मा ने स्वामी रामदेव को राज्य सरकार की ओर से योग को प्रोत्साहित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि योग हमारी प्राचीन संस्कृति का हिस्सा है। यह हमारे ऋषि मुनियों की ओर से हमें दी गई अमूल्य धरोहर है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में योग पद्धति का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। प्रधानमंत्री की पहल और प्रयासों से योग पद्धति को अंतर्राष्ट्रीय पटल पर एक नई पहचान मिली है और विश्वभर में प्रति वर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है।

गोगोई और सरमा के बीच चरम पर पहुंचा विवाद

जयपुर टाइम्स

गुवाहाटी(एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा और कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के बीच राजनीतिक टकराव तेज हो गया है। सीएम सरमा ने गौरव गोगोई की पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े होने का आरोप लगाया है। इस पर कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा अपनी नाकामी छिपाने के लिए झूठे आरोप लगा रही है।

भाजपा के पास दिखाने के लिए कुछ नहीं: गौरव गोगोई

गौरव गोगोई ने भाजपा के आरोपों को निराधार, झूठा और अपमानजनक बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार अपनी असफलताओं को छुपाने के लिए इस तरह के झूठे आरोप लगा रही है। जनता इन झूठों को समझती है और सही समय पर जवाब देगी।

कानूनी कार्रवाई की तैयारी में कांग्रेस सांसद

इसके साथ ही गौरव गोगोई ने साफ किया कि वे भाजपा के इन आरोपों के खिलाफ कानूनी कदम उठाएंगे।

वहीं कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने भी इसे घिनौनी चरित्र हत्या करार देते हुए कानूनी कार्रवाई शुरू करने की बात कही है।

गौरव गोगोई को किसी ने फंसायाः सरमा

मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि यह मामला राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा है और गौरव गोगोई किसी साजिश का शिकार हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि गौरव गोगोई को किसी ने फंसा दिया है।

दिल्ली में विजेंद्र होंगे विजय या होगा 'प्रवेश' का राज, फैसला आज

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में सरकार गठन को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। सूत्रों के मुताबिक दिल्ली भाजपा विधायक दल की बैठक सोमवार को होगी।

सूत्रों के हवाले से बताया कि यह बैठक दिल्ली भाजपा प्रदेश कार्यालय में दोपहर तीन बजे होगी और इसमें विधायक दल का नेता चुना जाएगा। वहीं इसमें कई बड़े नेता भी शामिल होंगे और इसमें नए सीएम पर भी फैसला होगा। खबर यह है कि नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 19 या 20 फरवरी को होने की संभावना है। जल्द ही भाजपा विधायक दल की बैठक के लिए पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की जाएगी।

20 फरवरी तक नई सरकार का गठन

सरकार गठन से पहले जल्द ही भाजपा विधायक दल की बैठक होगी। शपथ ग्रहण समारोह के बाद 20 फरवरी तक नई सरकार का गठन हो जाएगा। राजौरी गार्डन से जीते मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि जल्द ही दिल्ली के नए सीएम को लेकर फैसला लिया जाएगा।

सीएम पद के लिए इन नामों पर हो रही चर्चा

दिल्ली के सीएम पद के लिए प्रवेश वर्मा और विजेंद्र गुप्ता सबसे आगे बताए जा रहे हैं। वहीं, इसके लिए दिल्ली से पहली बार चुनाव जीतनेवाले चेहरे पर भी नजर रखी जा रही है। इस तरह जिन नामों की चर्चा मुख्यमंत्री को लेकर हो रही है, उनमें शालीमार बाग से विधायक रेखा गुप्ता, ग्रेटर कैलाश से विधायक शिखा राय, मुस्तफाबाद से विधायक मोहन सिंह बिष्ट, मालवीय नगर से विधायक सतीश उपाध्याय, जनकपुरी से विधायक आशीष सूद और उत्तम नगर सीट से जीते पवन शर्मा शामिल हैं।

भारत टेक्स हमारी परंपरा के साथ दिखाता है विकसित भारत की भी झलक : मोदी

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत मंडपम में भारत टेक्स 2025 को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत टेक्स का दूसरा सत्र भारत मंडपम में आयोजित किया जा रहा है...भारत टेक्स हमें हमारी परंपरा के साथ-साथ विकसित भारत की भी झलक दिखाता है...हमने जो बीज बोया है, वह बहुत तेजी से बढ़ रहा है।

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत टेक्स 2025 में एक प्रदर्शनी का दौरा किया। प्रधानमंत्री ने प्रतिभागियों से बातचीत की और उन्हें प्रदर्शनी के कई पहलुओं के बारे में जानकारी दी गई।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत टेक्स एक बड़ा वैश्विक आयोजन है, इसमें 120 अधिक देश भाग ले रहे हैं। बता दें कि भारत टेक्स 2025 का आयोजन 14-17 फरवरी को भारत मंडपम में किया जा रहा है। यह कच्चे माल से लेकर तैयार उत्पादों तक वस्त्रों की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला को एक ही मंच पर लाने वाला एक अनूठा कार्यक्रम है।

भारत टेक्स में भारत की सांस्कृतिक विविधताओं के दर्शन

पीएम मोदी ने कहा कि इस आयोजन से टेक्सटाइल सेक्टर में इनवेस्टमेंट एक्सपोर्ट और ओवरॉल ग्रोथ को जबरदस्त बढ़ावा मिल रहा है।

भारत टेक्स के इस आयोजन में हमारे परिधानों के जरिए भारत की सांस्कृतिक विविधताओं के भी दर्शन होते हैं। मेरे कुछ सहकर्मियों ने बताया कि एक कारखाना स्थापित करने में औसतन 70-75 करोड़ रुपये का खर्च आता है और इससे लगभग 2,000 लोगों को रोजगार मिलता है। मैं सबसे पहले बैंकिंग क्षेत्र के लोगों से आग्रह करूंगा कि वे इन उद्योगों की मांगों को समझें।

भारत टेक्स 2025 में 120 देश शामिल

भारत टेक्स 2025 ने आगंतुकों के अलावा 120 से अधिक देशों के नीति निर्माताओं और वैश्विक सीईओ, प्रदर्शकों, अंतरराष्ट्रीय खरीदारों को आकर्षित किया है। प्रतिभागियों में अंतर्राष्ट्रीय वस्त्र निर्माता संघ (आईटीएमएफ), अंतर्राष्ट्रीय कपास सलाहकार समिति (आईसीएसी), यूरेटेक्स, टेक्सटाइल एक्सचेंज और यूएस फैशन इंडस्ट्री एसोसिएशन (यूएसएफआईए) सहित दुनिया भर के 25 से अधिक प्रमुख वैश्विक कपड़ा निकाय और संघ शामिल हैं।

रविकांत शारदा ने किए अपने कार्यकाल में उत्कर्ष कार्य

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। । समाज कल्याण विभाग अलवर के कार्यकाल में विभिन्न अभियान के तहत विभिन्न योजनाओं का लोगो को लाभ दिलाने का काम किया। जैसे यथा सामाजिक सुरक्षा अभियान, सामाजिक न्याय अभियान, सक्षम अलवर अभियान आदि चलाकर लगभग 01 लाख से

अधिक वंचित पात्र व्यक्तियों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं से जोड़ा गया। विशेष प्रयासों द्वारा मुख्यमंत्री पालनहार योजना में 25000 से अधिक वंचित पात्र बालकों को योजना से जोड़ा गया। अलवर जिले के कार्यकाल के दौरान अनुसूचित जाति, जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम में पहली बार मृतक आश्रितों को पेंशन स्वीकृत करवाई। सभी छात्रावासों में ग्रीन हॉस्टल कैंपेन चलाकर लगभग 1000 पौधों का रोपण और संरक्षण किया गया। समाज कल्याण विभाग में रहकर जिले को राष्ट्रपति महोदया द्वारा दिया गया था। राष्ट्रीय पुरस्कार भी दिलवाया। पूरे राज्य में सबसे ज्यादा जिले में 1100 से ज्यादा स्कूटी विभाग में रहकर बेटियों को बांटी। इनके द्वारा पूरे राज्य में सबसे ज्यादा पालनहार के पात्र वंचित बच्चों को पालनहार योजना से जोड़ा। इनके समय में 25000 से ज्यादा बच्चों को पालनहार योजना से जोड़ा गया था। सीवर में काम करते हुए मृत्यु हुए परिवारों के प्रकरण जो 2009 से लंबित पार्थों को उन सभी प्रकरणों में विशेष प्रयास करके परिवार जनों को 10-10 लाख की सहायता दिलवाई थी।

एक पेड़ मॉ के नाम पर किया पौधरोपण

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)।। भाजयुमो अलवर के द्वारा वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री संजय शर्मा के जन्म दिवस पर एक पेड़ मॉ के नाम अभियान के

तहत रविवार को प्रताप स्कूल पार्क में वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया।युवा नेता रजनीश जैमन ने बताया कि वृक्षारोपण कार्यकर्ताओं कि मां के द्वारा कराया गया साथ ही मां के द्वारा केक काट कर युवाओं द्वारा जन्म दिवस मनाया गया। अभियान कि जानकारी देते हुए युवाओं ने मां के साथ पेड़ लगाया । इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष पं. जले सिंह, पूर्व पार्षद लोचन यादव, अरुण जैन, देवेन्द्र रसग़नियां, विवेकानंद मण्डल अध्यक्ष जितेंद्र राठौड़, भाजयुमो मण्डल अध्यक्ष महेश सैनी, प्रियांश अरोड़ा, सुरेंद्र शर्मा, आशिष यादव, नन्दू राठौड़, खेमराज गुर्जर, रविराज सिंह, जीतू गुर्जर, सोनू जायसवाल, उज्जवल अग्रवाल, महिला मोर्चा अध्यक्ष सुमन सैनी, लक्ष्मी कंवर, रविराज चौहान, विजय राजपूत, सागर यादव, दक्ष पंडित, आर.के. व्यास, नवीन यादव, धर्मेंद्र शर्मा, प्रियांशु दिवान, अशोक शर्मा, धर्म मीणा, चिराग, यश शर्मा, मंयक शर्मा सौरव कालरा आदि युवा उपस्थित रहे।

कांग्रेस संगठन में पदाधिकारियों को किया नियुक्त

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। जिला कांग्रेस कमेटी अलवर के जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा ने कांग्रेस संगठन में पदाधिकारियों को नियुक्त किया है। कांग्रेस

प्रवक्ता रिपु दमन गुप्ता ने बताया कि पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह, राजस्थान विधानसभा सभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की अनुशंसा पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा ने जिला संगठन को ओर अधिक सक्रिय एवं सुदृढ़ करने के लिए दूघेडा, बहरोड निवासी शीशराम यादव को जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव पद पर और लक्ष्मणगढ़ निवासी इकबाल खान को जिला कांग्रेस कमेटी के सचिव पद पर नियुक्त किया है और दोनो पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि वो कांग्रेस के रीति नीति एवं सिद्धांतों में पूर्ण आस्था रखते हुए जिला स्तर पर पार्टी संगठन को मजबूती प्रदान करते हुए अपने दायित्व का निर्वहन करेंगे।

केंद्रिय पर्यावरण, वन एंव जलवायु परिवर्तन मंत्री नें 9.36 करोड़ के 154 कार्यों का किया उद्घाटन

खेल और शिक्षा का तालमेल जरूरी - कैबिनेट मंत्री

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा(निस)।। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव रविवार को खैरथल-तिजारा जिले के दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने मुंडावर पंचायत समिति कि 44 ग्राम पंचायत में 9.36 करोड़ के 154 विकास कार्यों तथा उप स्वास्थ्य केंद्र श्री कृष्ण नगर मुंडावर का उद्घाटन किया। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ने सर्वप्रथम मुंडावर पंचायत समिति पहुंचकर बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की मूर्ति का माल्यार्पण कर पंचायत समिति प्रांगण में अमर जवान शहीद स्मारक का विधिवत्त रूप से उद्घाटन किया।

अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि पंचायत समिति एवं विधायक कोष के माध्यम से 44 ग्राम पंचायतों में विभिन्न विकास कार्य किए जा रहे हैं। इनमें सड़क निर्माण, इंटरलॉकिंग टाइल्स, ओपन जिम, सिंगल फेस बोरिंग, गंदे पानी की निकासी, श्मशान की चारदीवारी सहित कई अन्य कार्य शामिल हैं। इन कार्यों से क्षेत्र में जलभराव की समस्या से राहत मिलेगी और ग्रामीणों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं मिलेंगी।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि पंचायत भवन को मल्टीपरपज सेंटर के रूप में विकसित किया जाएगा ताकि ग्रामीणों को विभिन्न सेवाओं का लाभ एक ही स्थान पर मिल सके।

उन्होंने स्वच्छता को प्राथमिकता देते हुए गांवों में पानी की निकासी एवं कचरा निस्तारण की दिशा में ठोस कदम उठाने की घोषणा की। जिले में वेस्ट मैनेजमेंट

प्लान लागू किया जाएगा ताकि सूखे और गीले कचरे का उचित निस्तारण हो सके। अपने उद्बोधन में भूपेंद्र यादव ने ग्रामीणों को प्लास्टिक के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए इसके उपयोग को बंद करने की अपील की। उन्होंने घरों और सार्वजनिक स्थलों की सफाई बनाए रखने पर जोर दिया।

युवा खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए मंत्री ने चिरूनी गांव में एक खेल स्टेडियम बनाने की बात कही। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेल संस्कृति को विकसित करने के लिए सांसद खेल उत्सव की शुरुआत की गई है, जिसमें लगभग 20,000 से अधिक बच्चों ने भाग लिया है और अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया है। उन्होंने युवाओं को हिट भी रहें, फिट भी रहें का संदेश दिया।केंद्रीय मंत्री ने ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य करने का संकल्प लिया और लखपति दीदी योजना के तहत उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की बात कही।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय राजवाड़ा में सरस्वती मूर्ति का किया अनावरण

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ने राज्य की उच्च माध्यमिक विद्यालय राजवाड़ा के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में भाग लिया तथा विद्यालय में सरस्वती मूर्ति का अनावरण भी किया। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री तथा उपस्थित अतिथियों ने मेधावी छात्र-छात्राओं को टैबलेट का वितरण भी किया, साथ ही राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले छात्र-छात्राओं का सम्मान भी किया।

केंद्रीय मंत्री ने केंद्र सरकार द्वारा ग्रामीण विद्यालयों में अटल टिंकरिंग लैब स्थापित करने की योजना का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि सरकार विज्ञान टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक्स (Electronics) और गणित को मिलाकर स्टीम शिक्षा को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि अगर विद्यार्थी शुरू से ही इन विषयों में रुचि लेंगे तो वे आगे जाकर मेडिकल, इंजीनियरिंग और अन्य तकनीकी क्षेत्रों में बेहतरीन प्रदर्शन कर सकेंगे।

उन्होंने पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान खेलों के महत्व पर भी चर्चा की। उनका मानना है कि विद्यार्थियों को न केवल पढ़ाई में बल्कि खेलों में भी रुचि लेनी चाहिए। कार्यक्रम के दौरान स्कूल के नन्हे मुन्ने बच्चों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुति दि। इस अवसर पर उन्होंने प्रस्तुति देने वाले छात्र-छात्राओं की सराहना की।

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ने उप स्वास्थ्य केंद्र, श्री कृष्ण नगर मुंडावर का किया उद्घाटन

केंद्रीय मंत्री ने मैनपुर ग्राम पंचायत के गांव कृष्ण नगर में उप स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन भी किया।

इस दौरान कार्यक्रम के अध्यक्षता कर रहे पूर्व विधायक मनजीत सिंह चौधरी ने भी अपना उद्बोधन दिया तथा मुंडावर क्षेत्र के विकास हेतु दृढ़ संकल्प होकर कार्य करने के लिए भी कहा।

कार्यक्रम के दौरान जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर, मुंडावर प्रधान सुनीता महेश गुप्ता, जिलाध्यक्ष महासिंह चौधरी, नगर पालिका सभापति गरिमा भारद्वाज, डॉ अंजलि यादव, इंदर यादव सहित जिले के जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न ग्राम पंचायत के सरपंच मौजूद रहे।

लूट का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)।। सदर थाना पुलिस ने क्षेत्र में हुई एक लूट प्रकरण का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिसमें एक आरोपी विधि से संघर्षरत है।अलवर जिला पुलिस अधीक्षक संजीव नैन ने जानकारी देते हुए बताया कि डॉ.

प्रियंका अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अलवर के निर्देशन में शिवानी सहायक पुलिस अधीक्षक आईपीएस वृताधिकारी ग्रामीण अलवर के सुपरविजन में अरूण कुमार पुनिया पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी थाना सदर द्वारा थाना ईलाका मे जोमेटो डिलीवरी बॉय के साथ की गई लूट का खुलासा कर प्रकरण मे आरोपियो को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में अंकित सैन निवासी विवेकानन्द नगर सैक्टर 04 अपनाघर आश्रम के पास थाना अरावली विहार अलवर हाल ट्रांसपोर्ट नगर 2/167 थाना एनईबी अलवर एवं दूसरा पवन सैनी निवासी स्कीम न बर चार प्लॉट न बर 82 के सामने कोटिया पाडी थाना कोतवाली अलवर हाल ट्रांसपोर्ट नगर मथुरा लाईन के पास थाना एनईबी अलवर है। वहीं एक आरोपी विधी से संघर्षरत बालक है। पुलिस ने बताया कि लूट का खुलासा कर आरोपियों को पकडने में जहां गठित पुलिस टीम में अरूण कुमार पुनिया पुलिस निरीक्षक, विजय कुमार एएसआई, कानि. दिलीप कुमार 1972, कानि. राजेश 1946, कानि. श्यामलाल 2665 शामिल रहे।

नौगांवा पुलिस की बड़ी कार्रवाई

एनईबी थाना क्षेत्र में छेडछाड व फायरिंग के 2 आरोपियों को मय हथियारों सहित किया गिरफ्तार , चोरी की बाइक भी बरामद

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)।। जिले के नौगांवा थाना पुलिस ने एक बड़ी कार्यवाही करते हुए एनईबी थाना क्षेत्र में छेडछाड व फायरिंग के 2 आरोपियों को मय हथियार व चोरी की मोटरसाईकिल सहित गिरफ्तार किया है। अलवर जिला पुलिस अधीक्षक संजीन नैन ने बताया कि वांछित अपराधियो की धरपकड हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत डॉ0 तेजपाल सिंह अति. पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय), जिला अलवर के निर्देशन मे सुनील आरपीएस वृताधिकारी वृत रामगढ़ अलवर के निर्देशन पर थानाधिकारी नौगांवा अजीत सिंह बडसरा उप निरिक्षक के नेतृत्व मे नौगांवा पुलिस टीम ने बडी कार्यवाही करते हुए पुलिस थाना एनईबी क्षेत्र के प्रकरण मे छेडछाड व फायरिंग की वारदात के मुख्य आरोपियों को मय हथियार व चोरी की मोटसाईकिल के सहित गिरफ्तार किया।

जहां पुलिस ने 2 आरोपियो से 2 देशी कट्टे 315 बोर व 2 जिन्दा कारतूस बरामद किया गया व चोरी की बाइक बरामद कर जब्त की है।

रोटरी क्लब अलवर द्वारा रोटरी फाउण्डेशन सेमीनार का हुआ आयोजन

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)।। रोटरी क्लब का नाम वैश्विक स्तर पर पोलियो उन्मूलन के लिए तो जाना ही जाता है साथ ही जब भी बात पीडित मानवता की आती हो, रोटरी का नाम सर्वप्रमुख रूप में लिया जाता रहा है। आज लगभग 125 वर्षों का लंबा इतिहास यदि रोटरी का अनवरत रूप से जारी है तो इसके पीछे 'दी रोटरी फाउण्डेशन' की महती भूमिका रही है। दान की जब भी बात आती है तो विश्व की सबसे विश्वसनीय संस्थाओं में सम्मान के साथ इसका नाम लिया जाता है। यही कारण है कि मैलिंडा बिल गेट्स फाउण्डेशन, बिरला ग्रुप जैसे संस्थान भी दी रोटरी फाउण्डेशन से जुडे हुए हैं।

सेमिनार के कीनोट स्पीकर के रूप में दिल्ली से RRFC एन सुब्रमण्यन ने रोटरी फाउंडेशन के कार्यो को विस्तार से समझाया और अभी सदस्यों से अधिकाधिक सहयोग करने की आवश्यकता पर बल दिया ।

रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3053 में रोटरी क्लब अलवर अपने सामाजिक दायित्वों से जुडे कार्यों के कारण महत्वपूर्ण स्थान रखता है और इसीलिए इस सत्र के लिए रीजन 4 की दी रोटरी फाउण्डेशन सेमिनार के आयोजन के लिए प्रांतपाल रोटे. राहुल श्रीवास्तव ने रोटरी क्लब अलवर को यह दायित्व प्रदान किया। इस अवसर पर क्लब मेंबर्स एवं जिले के अन्य रोटरी क्लब सदस्यों के समक्ष अपने भावोद्गार व्यक्त करते हुए रोटे. राहुल श्रीवास्तव, पूर्व प्रांतपाल क्रांति मेहता, राजकुमार भूतोरिया, हरीश गौड़, निवर्तमान प्रांतपाल पवन खण्डेलवाल, आगामी प्रांतपाल बृजमोहन अग्रवाल, सहायक प्रांतपाल जितेन्द्र खुराना द्वारा अपने उदगार प्रकट किए गए।

क्लब अध्यक्ष रोटे. दीपक कट्टा ने सर्वप्रथम स्वयं का 1000 डॉलर का अंशदान देने की घोषणा की।

सेमिनार चेयरमैन रोटे. प्रमोद आर्य ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि इस तरह की सेमिनार रखना क्यों आवश्यक है।

इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटे. राहुल श्रीवास्तव ने रोटरी क्लब अलवर प्रांत का सर्वाधिक सदस्यों वाले क्लब के साथ ही उनके कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि रोटरी क्लब अलवर ने हमेशा सेवा, सहयोग और एकता का आदर्श रखते हुए समाज को अधिकाधिक देने की प्रवृत्ति रखी है। इस पुनीत कार्य से सेवा भावियों का कारवां बढ़ता रहा है। सभी आयुवर्ग के रोटेरियंस ने बिना किसी तरह के भेदभाव के हमेशा क्लब की परम्परा को अटूट व अक्षुण्ण रखा है और ज्ञान, बुद्धि, बल, उम्र, अनुभव आदि आधारों पर भेदभाव रहित होकर कार्य किया है और करते रहेंगे। उन्होंने दान की महत्वता पर बल देते हुए कहा कि पूरे विश्व में भारत दान देने वाले देशों में सर्वोच्च पंक्ति में खडा है और यह एक नये युग की शुरुआत है।

इस अवसर पर निम्न रोटेरियन ने फाउंडेशन में अपना सहयोग देने के लिए अपनी स्वीकृति प्रदान की। पूर्व प्रांतपाल क्रांति मेहता, राजकुमार भूटोरिया, हरीश गौड़, बृजमोहन अग्रवाल, संजय गुलाटी, दीपक कट्टा, जितेंद्र खुराना, राजेश सिंघल, सुरेश गुप्ता, प्रमोद आर्य, मनीष जैन, नीरज जैन, बबीता खंडेलवाल, सुमन यादव, मुकुंद गुप्ता, अमित श्यामसुखा, रितु श्यामसुखा, प्रेम कथूरिया, पीयूष जैन, महेंद्र गोयल आदि ने सहमति दी।

इस अवसर पर अलवर के आढ़वें क्लब अलवर शालीमार का चार्टर प्रेजेंटेशन सेरेमनी भी आयोजित की गई। प्रांतपाल राहुल श्रीवास्तव ने क्लब अध्यक्ष पंकज तनेजा, सचिव कपिल गुप्ता सहित अन्य सदस्यों को क्लब चार्टर एवं रोटरी पिन प्रदान की। कार्यक्रम के मास्टर ऑफ़ सेरेमनी मनीष जैन ने की।

सेमिनार में रोटरी क्लब अलवर के अतिरिक्त, अलवर ग्रेटर, अलवर अरावली, अलवर सरिस्का, अलवर शौर्या, अलवर शालीमार, भिवाड़ी, भिवाड़ी ग्रेटर, भिवाड़ी शक्ति से काफ़ी सदस्यों ने सहभागिता की।

चिकित्सा हर जरूरतमंद को उपलबध कराने में समाजसेवी संस्थाओं की महती भूमिका - डॉ.योगेन्द्र शर्मा

आयुर्वेद चिकित्सा शिविर में चिकित्सकों का सम्मान, 345 मरीजों की निःशुल्क चिकित्सा

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)।। नेक कमाई फाउंडेशन की ओर से उपचार मेडिसन के सहयोग से रविवार को पुरुषार्थी धर्मशाला में निशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा ओर एक्यूप्रेशर चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। शिविर का उद्घाटन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा. योगेन्द्र शर्मा ने द्वीप प्रज्वलित करके किया।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी डा. योगेन्द्र शर्मा ने कहा कि जरूरतमंद की सेवा में समाजिक संगठनों की भूमिका महत्वपूर्ण है। नेक कमाई फाउंडेशन महिलाओं के स्किल डवलपमेंट ओर उनके विकास की दिशा में बेहतर कार्य कर रहा है जिसका कन्यादान कार्यक्रम पूरे प्रदेश में अग्रणी है। नेक कमाई फाउंडेशन अब चिकित्सा के क्षेत्र में कई अनुकरणीय कार्य कर रहा है। शिविर में 345 मरीजों का निःशुल्क इलाज किया गया और उन्हें दवाइयां दी गई।

नेक कमाई के मुख्य कोर्डिनेटर अभिषेक तनेजा ने बताया कि शिविर में आयुर्वेद चिकित्सक डा. पवन शेखावत, डा.मुरारी लाल भारद्वाज, डा. बिशन चंद सैनी, डा. मुकेश प्रजापत, डा. अनिल जैन, डा. रेणु ग्रोवर और डा. रीटा ग्रोवर सहित एक्यूप्रेशर व चुंबक चिकित्सक डा. अशोक राजा जोशी व मनन जोशी सहित सीकर से आए आनंद योगी को सम्मानित किया गया। शिविर के संयोजक डा. बी. बी. गौतम थे।

शिविर में संरक्षक मंजू चौधरी अग्रवाल ने स्वागत भाषण दिया और दौलत राम हजरती ने नेक कमाई के कार्यो की जानकारी दी। आभार व्यक्त

प्रो. जी.डी. मेहंदीरता ने किया। मत्स्य विश्वविद्यालय के सहायक कुल सचिव डा. आशुतोष शर्मा ने नेक कमाई की ओर से इस तरह के चिकित्सा शिविर अन्य क्षेत्रों में लगाने की घोषणा की। कार्यक्रम में पंजाबी महासंघ जयपुर के अध्यक्ष महेश पोपली ने शिविर की सराहना की।

चिकित्सकों का स्वागत करने वालों में गुरुप्रीत सिंह पवित्र, परमजीत सिंह गोगिया, राजू धवन, संदीप अरोड़ा, मनोहर झाम, मधुकर हर्ष भाटिया, संजीव मीणा एडवोकेट, अशोक आहूजा, पेंशनर समाज की ओर से सतीश शर्मा तथा शिक्षाविद श्याम भारती, प्रमोद मलिक व सुनीज जैन ने किया।

इन्होंने किया सम्मानित

इस अवसर पर चिकित्सकों और अन्य सेवा भावी कार्य करने वालों को मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. योगेन्द्र शर्मा, पुरुषार्थी धर्मशाला समिति के अध्यक्ष प्रेम गांधी, व्यापार महासंघ के अध्यक्ष रमेश जुनेजा, गौनंदी सेवा समिति के अध्यक्ष सौरभ कालरा, धर्मशाला समिति के कोषाध्यक्ष राजेन्द्र आहूजा, मेव समाज जागृति संगठन के प्रदेशाध्यक्ष गफूर खान, भाजपा नेता हरिराम यादव, शिविर संयोजक डॉ. बी.बी.गौतम और नेक कमाई महिला सेल की ओर से सोनिका अरोड़ा ने स्वागत किया। मंच संचालन गुरप्रीत सिंह और सौरभ कालरा ने किया। शिविर में कोर्डिनेटर अभिषेक तनेजा ने इसकी सफलता के लिए सभी को बधाई दी।

शिविर में डॉ. गोपाल रॉय चौधरी ट्रस्ट, खानचंद चिमनी बाई हजरती ट्रस्ट ओर आलमचंद भागवंती देवी भाटिया ट्रस्ट का सहयोग रहा। अंत में नेक कमाई की ओर से सोनिका अरोड़ा ने सभी का आभार जताया।

राजधानी जयपुर टाइम्स

जयपुर, सोमवार
17 फरवरी, 2025

कोटा विकास प्राधिकरण का लोगो डिज़ाइन करने का मौका, 21 फरवरी अंतिम तिथि

जयपुर टाइम्स

कोटा(निस)।। कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए) ने अपने आधिकारिक लोगो के लिए डिज़ाइन प्रतियोगिता आयोजित करने का निर्णय लिया है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से चयनित लोगो भविष्य में प्राधिकरण की पहचान बनेगा।

प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागी 21 फरवरी तक अपनी प्रविष्टि भेज सकते हैं। प्रत्येक प्रतिभागी केवल एक ही एंट्री भेज सकेगा, जिसे हाई-रेजोल्यूशन जेपीजी, पीएनजी या पीडीएफ फॉर्मेट (300 डीपीआई से अधिक) में प्रस्तुत करना होगा।

प्राधिकरण के अनुसार, लोगो में शहरी विकास एवं रचनात्मकता का समावेश होना चाहिए। इसे कोटा शहर एवं केडीए के बीच एक भावनात्मक कनेक्शन दर्शाना चाहिए, साथ ही यह डिजिटल और प्रिंट मीडिया पर प्रभावी रूप से उपयोग किया जा सके।

प्रतियोगिता के विजेता को 21,000 रुपये का नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र दिया जाएगा, जबकि अन्य सभी प्रतिभागियों को भी प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे।

प्रतियोगिता से जुड़ी विस्तृत जानकारी केडीए की वेबसाइट kda.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है, और प्रविष्टियां kdalogodesign@gmail.com पर भेजी जा सकती हैं।

मनोज सहायक सांख्यिकी अधिकारी पद पर चयनित

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निस)।। निकटवर्ती ग्राम पाथरेड़ी निवासी मनोज (26) पुत्र रणजीत यादव का चयन सहायक सांख्यिकी अधिकारी पद पर चयन हुआ है। मनोज ने आरपीएससी द्वारा आयोजित भर्ती परीक्षा में 05 वीं रैंक प्राप्त की। ग्राम पाथरेड़ी से ही प्राथमिक शिक्षा ग्रहण करने के बाद मनोज ने केरल के कालीकट स्थित एनआईटी से एमएससी (गणित) की शिक्षा हांसिल करने के बाद स्वाध्याय से उक्त परीक्षा की तैयारी की। उनके पिता रणजीत यादव ग्राम पाथरेड़ी स्थित आरएफपीएल कम्पनी में कार्यरत है। जबकि माँ गीता देवी गृहणी है। मनोज के चाचा राजेन्द्र प्रसाद यादव राजस्थान पुलिस में तैनात है। सामान्य किसान परिवार से आने वाले मनोज ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता व चाचा को दिया है। उनके छोटे भाई विकास भी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे है। मनोज की सफलता से ग्रामीणों व परिवार में हर्ष का माहौल है।

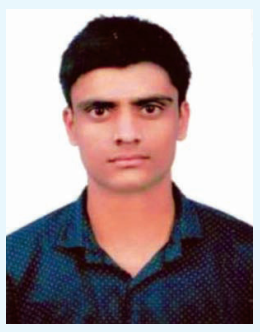

आपात स्थिति में किया स्वैच्छिक रक्तदान

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निस)।। पूर्व पार्षद व समाजसेवी तारा पूतली द्वारा चलाये जा रहे नियमित रक्तदान अभियान के तहत रविवार को यहाँ के राजकीय बीडीएम जिला चिकित्सालय में आपात स्थिति में रक्त की जरूरत पडने पर शंकर सैनी ने ब्लड बैंक पहुंचकर स्वैच्छिक रक्तदान किया। इस मौके पर भूपसिंह पूतली व अंकित शर्मा समेत अन्य मौजूद रहे।

कस्बे के आजाद चौक में हुई चोरी का खुलासा, 03 लाख रूपये बरामद, वारदात में प्रयुक्त एक मोटरसाईकिल जप्त

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निस)।। स्थानीय थाना पुलिस ने प्रभावी कार्यवाही करते हुये विगत 05 फरवरी को कस्बे के आजाद चौक में हुई 03 लाख रूपये की चोरी का खुलासा कर एक अभियुक्त को गिरफ्तार व दो विधि से संघर्षरत बालकों को निरूद्ध किया है। साथ ही चोरी किये गये 03 लाख

रूपये बरामद व घटना में प्रयुक्त मोटरसाईकिल को जप्त किया है। एसपी राजन दुष्यंत ने जानकारी देते हुये बताया कि पुलिस मुख्यालय जयपुर द्वारा संपत्ति संबधी अपराधों पर अंकुश लगाने व त्वरित कार्यवाही करने के आदेशों की पालना में एएसपी वैभव शर्मा के निर्देशन व डीएसपी राजेन्द्र बुरडक के सुपरविजन में थानाधिकारी राजेश शर्मा के नेतृत्व में विगत 05 फरवरी को आजाद चौक में हुई 03 लाख रूपये की चोरी का खुलासा करने हेतु टीम का गठन किया गया। टीम द्वारा कड़ी मेहनत, लगन से कार्य करते हुये गहनता से सीसीटीवी फुटेज चैक किये जाकर संदिग्धों को चिह्नित कर आसुचना संकलन कर अज्ञात मुल्जिमानों को चिह्नित कर लगातार संदिग्धों का पीछा करते हुये मुल्जिम राजा भाटी (25) पुत्र नानकराम जाति भाटी बावरिया निवासी बावरी बस्ती बापु नगर बालिता रोड़ कोटा थाना कुन्हाडी जिला कोटा को गिरफ्तार किया गया एवं अन्य दो साथी विधि से संघर्षरत बालकों को निरूद्ध कर 03 लाख रूपये बरामद किये गये तथा वारदात में प्रयुक्त मोटरसाईकिल को भी जप्त किया गया है। गिरफ्तार मुल्जिम राजा भाटी द्वारा अपने अन्य साथियों के साथ अलवर, खैरथल, राजगढ़, दौसा में भी अन्य जेब तराशी की वारदातें करना बताया गया है। उन्होंने बताया कि परिवादी रमेश कुमार पुत्र टेकाराम यादव निवासी कंवरपुरा, कोटपूतली ने मामला दर्ज कराया था कि मैं मेरी मोटरसाईकिल से बैक में 03 लाख रूपये जमा करवाने के लिये आया था। आजाद चौक में दुकान पर फोटो कॉपी करवाने गया था। पीछे से मेरी मोटरसाईकिल के बैग से अज्ञात चोरों ने रूपये चोरी कर लिये। जिस पर प्रकरण संख्या 80/2025 धारा 303 (2) बीएनएस में दर्ज कर अनुसंधान प्रारम्भ किया गया। प्रकरण में गिरफ्तारशुदा/निरूद्धशुदा मुल्जिम/विधि से संघर्षरत बालकों द्वारा भीड़ भाड़ वाले स्थानों यथा बस स्टैण्ड, रेलवे स्टेशन, बैंक आदि स्थानों पर रैकी करते हुये लोगों की जेब तराशी की घटनायें कारित करने व वाहनों से नकदी व जेवरात चोरी करते है।

जनप्रतिनिधि आपके द्वार

जलदाय मंत्री ने पांच दिनों में 54 गांवों में की जनसुनवाई

ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान के दिए निर्देश

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)।। जनप्रतिनिधि आपके द्वार के तहत जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी रविवार को उपखंड मालपुरा के दौरे पर रहे। जहां उन्होंने हाथगी, राजपुरा, कचौलिया, मोरला, आंटोली, कुराड़, बापुंदा, बरोल एवं गनवर गांवों का दौरा किया। उन्होंने विगत पांच दिनों में टोडारायसिंह-मालपुरा के 54 गांवों में जनसुनवाई कर ग्रामीणों की सार्वजनिक एवं व्यक्तिगत समस्याओं को सुना एवं संबंधित अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान उपखंड अधिकारी अमित चौधरी, विकास अधिकारी अभिमन्यु चौधरी, पंचायत समिति प्रधान सकराम चौपड़ा समेत अन्य जनप्रतिनिधि एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे। जलदाय मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार किसान, महिला, युवा एवं वंचित वर्ग के हितों को ध्यान में रखकर अपनी योजनाएं बना रही है। राजकीय अधिकारियों एवं कार्मिकों का यह दायित्व है कि वह इन योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक शत प्रतिशत पहुंचाएं। कई पात्र व्यक्ति योजनाओं की जानकारी के अभाव में इनका लाभ लेने से वंचित रह जाते हैं। इसलिए ग्राम स्तरीय कार्मिक घर-घर सर्वे कर पात्र व्यक्तियों को इन योजनाओं से जोड़े। चौधरी ने कहा कि वे क्षेत्र में लोगों की समस्याएं सुनने के लिए आए हैं। ग्रामीण अपनी समस्या लिखित रूप से दें आगामी 15 दिन में इन समस्याओं का समाधान किया जाएगा। जिन समस्याओं का विधि सम्मत समाधान किया जाना संभव नहीं होगा। इसकी भी सूचना परिवादी को दी जाएगी। उन्होंने कहा कि गांवों में विकास कार्यों को आपसे पूछकर कराया जाएगा। इसलिए प्राथमिकता के आधार पर अपने काम बताएं, ताकि उन्हें चरणबद्ध रूप से पूरा कराया जा सके। चौधरी ने कहा कि ग्रामीण अपनी समस्याओं को फोन पर या व्हाट्सएप पर भेजकर भी उन्हें बता सकते हैं। उनकी समस्याओं का समाधान करने का पूरा प्रयास किया जाएगा। ग्राम हाथकी, राजपुरा एवं कुराड़ में पेयजल संबंधी शिकायत पर जलदाय मंत्री ने जलदाय विभाग के अभियंताओं को 7 दिवस में समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उपखंड मालपुरा के गांवों में शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने के लिए 275 करोड़ की पेयजल परियोजना शीघ्र धरातल पर आएगी। उन्होंने नगर पालिका लांबाहरिसिंह से ग्राम पंचायत नगर तक 58 करोड़ रुपए की लागत से कराए जाने वाले सड़क सुदृढ़ीकरण कार्य की सार्वजनिक निर्माण विभाग के अभियंताओं से जानकारी ली और इस गति प्रदान करने के निर्देश दिए। जलदाय मंत्री से ग्राम कुराड़ में जनसुनवाई के दौरान ग्रामीणों ने स्थाई पटवारी एवं विद्यालय में गणित विषय का अध्यापक लगवाने की गुहार लगाई। जलदाय मंत्री ने ग्राम कचौलिया में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के नवीन भवन का लोकार्पण कर ग्रामीणों को विकास कार्यों की सौगात दी।

शिक्षक एवं अभिभावक बच्चों की काउंसलिंग करें

जलदाय मंत्री ने शिक्षकों एवं ग्रामीणों से कहा कि मोबाइल को लेकर शिक्षक एवं अभिभावक बच्चों की काउंसलिंग करें। बच्चों को मोबाइल के दुष्प्रभाव के बारे में समझाएं। साथ ही, उनके करियर को लेकर मार्गदर्शन करें। बच्चों को दसवीं के बाद ही व्यावसायिक शिक्षा की और अग्रसर करें।

जलदाय मंत्री सोमवार को विभिन्न गांवों में करेंगे जनसुनवाई

जनप्रतिनिधि आपके द्वार के तहत जलदाय मंत्री कन्हैया लाल चौधरी सोमवार, 17 फरवरी को उपखंड मालपुरा के विभिन्न गांवों में जनसुनवाई करेंगे।

उनके विशिष्ट सहायक शंकर लाल सैनी से प्राप्त जानकारी के अनुसार चौधरी ग्राम देशमा में सुबह 9 बजे, मलिकपुर में 10 बजे, पचेवर में 11 बजे, दोपहर 12 बजे पारली में, 1 बजे डोरिया में, 2 बजे आंवड़ा में एवं 3 बजे ग्राम नगर में जनसुनवाई कर ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण करेंगे।

शोकाकुल परिजनों को दी सांत्वना

जलदाय मंत्री ने ग्राम कालीहर्डिया, कचौलिया एवं लांबाहरिसिंह में पहुंचकर मृतकों के शोकाकुल परिजनों को ढांढस बंधाया।

बड़ौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक को 5 टेक्नोलोजी अवॉर्ड

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। आइबेक्स इंडिया की ओर से जिओ वर्ल्ड कन्वेन्शन सेंटर मुंबई में आयोजित बैंकिंग, बीमा और वित्त क्षेत्र के टेक्नोलॉजी कॉन्फ्रेंस में नवीनतम टेक्नोलॉजी का उपयोग कर ग्राहकों तक बैंकिंग सुविधाएं पहुंचाने और सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग के लिए विभिन्न सेगमेंट्स में ग्रामीण बैंको, सहकारी बैंकों और स्मॉल फाइनैन्स बैंकों की श्रेणी में बड़ौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक को पाँच टेक्नोलॉजी पुरस्कारों से सम्मानित किया है। इनमें एक्सिलेन्स इन ई एस जी एंड ससटेनेबल इनिसेटिव्स, बेस्ट आई टी रिस्क एंड साइबर सिक्युरिटी इनिसेटिव्स, आउट्सॉर्टैन्डिंग यूज ऑफ एमेरजींग टेक्नॉलोजीज, मोस्ट इनोवेटिव यूज ऑफ टेक्नॉलोजी, एक्सिलेन्स इन आपरेशनल एफिसिएनसीज विद टेक्नॉलोजी के लिए बैंक को पुरस्कृत किया गया। बैंक की ओर से तकनीकी का उपयोग कर ग्राहक सेवा को पूर्णतया आटोमेटिक माध्यमों पर ले जाने के लिए बनाए गए नए मॉडल जैसे एमएसएमई, रीटेल, हाऊसिंग, किसान क्रेडिट कार्ड केसीसी सहित सभी लोन ऑटोमेशन, लोन ट्रैकिंग सिस्टम, पीएफ़एमएस मैनेजमेंट, पॉज़िटिव पे सिस्टम, अकाउंट एग्रीगेटर और सीकेवाईसी को इम्प्लीमेंट किया गया है। एंड टू एंड लोन औटोमेशन के तहत अब बैंक के ग्राहकों को घर बैठे पर्सनल, एमएसएमई और पशुपालन और मत्स्य पालन के लिए किसान क्रेडिट कार्ड एएचएफकेसीसी लोन की सुविधा उपलब्ध करवाई जा चुकी है। इन्टर्नल प्रोसेस में बैंक ने ऑडिट, बोर्ड इनफॉर्मेशन, लर्निंग मनेजमेंट, परफ़ॉर्मेंस मनेजमेंट सिस्टम, कंपलायन्स पोर्टल को भी पूर्णतया ओटोमेट कर दिया है 7 शाखाओं के कार्य निष्पादन में सुधार के लिए ब्रांच रेटिंग तथा बैंक मित्र कार्य निष्पादन को और प्रतिस्पर्धात्मक बनाने के लिए बी सी रेटिंग मॉडल लागू किए गए हैं। तकनीक के समुचित उपयोग से बैंक की ग्राहकोन्मुखी सेवाओं में लगने वाले समय में कमी आई है। साइबर सुरक्षा और रिस्क मैनेजमेंट क्षेत्र में उठाए गए कदम से बैंक आरबीआई और नाबार्ड के मानकों की अनुपालना कर रहा है। सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों मे न्यून डिजिटल साक्षरता के बावजूद बैंक ने आईएमपीएस, यूपीआई, मोबाइल बैंकिंग और भीम के माध्यम से आम जन तक डिजिटल बैंकिंग सुविधाएं पहुंचाई है। बैंक डिजिटल व टेक्निकल चेनल्स को और बेहतर बनाने के लिए वर्जन अपग्रेड प्रक्रिया को भी प्राथमिकता दे रहा है जिसके अंतर्गत बैंक के सीबीएस फिनेकल का वर्जन अपग्रेड किया गया है।

बाजरा अनुसंधान संस्थान से किसानों को नई तकनीकों और उन्नत किस्मों का लाभ : भागीरथ चौधरी

जयपुर टाइम्स

गुड़ामालानी बाडमेर(निस)।। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने रविवार को बाड़मेर जिले के गुड़ामालानी में आयोजित श्री अन्न किसान मेला में शिरकत की। यह मेला क्षेत्रीय बाजरा अनुसंधान संस्थान की स्थापना के एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित किया गया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने निर्माणाधीन भवन का निरीक्षण किया और किसानों से संवाद कर कृषि क्षेत्र की योजनाओं की जानकारी दी।

बाजरा उत्पादन को मिलेगा बढ़ावा

अपने संबोधन में केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में श्री अन्न (मोटे अनाज) को बढ़ावा देने के लिए कई अहम कदम उठाए गए हैं। 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष के रूप में मनाकर बाजरे को वैश्विक पहचान दिलाई गई। उन्होंने कहा कि राजस्थान, विशेषकर पश्चिमी राजस्थान, देश का सबसे बड़ा बाजरा उत्पादक क्षेत्र है, और बाड़मेर जिले में इसकी खेती और खपत सबसे अधिक है।

श्री अन्न से सेहत और आय दोनों में सुधार

चौधरी ने बताया कि बाजरा सेहत के लिए लाभकारी होने के साथ-साथ किसानों की आर्थिक स्थिति को भी मजबूत करेगा। अनुसंधान संस्थान में बाजरे की उन्नत किस्मों के विकास, खाद्य उत्पादों की विविधता और बेहतर विपणन रणनीतियों पर कार्य किया जाएगा। इससे किसानों को नई तकनीक, आधुनिक कृषि विधियों और बेहतर बाजार अवसरों का लाभ मिलेगा।

उपस्थित रहे जनप्रतिनिधि और अधिकारी

कार्यक्रम में राजस्थान सरकार के राज्य मंत्री के.के. बिश्नोई, पूर्व केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी, चौहटन विधायक आदूराम मेघवाल, भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री शैलाराम सारण, बाड़मेर भाजपा जिलाध्यक्ष अनंतराम बिश्नोई, बालोतरा जिलाध्यक्ष भरत मोदी, सहित कई गणमान्यजन, कृषि मंत्रालय एवं विभाग के अधिकारी, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में किसान व आमजन उपस्थित रहे।

मंत्री संजय शर्मा ने परिवार के साथ महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगाकर देश व प्रदेश की खुशहाली की कामना की

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)।। पर्यावरण एवं वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा के 56वें जन्मदिन के अवसर पर आज उनके समर्थकों द्वारा जिलेभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर मंत्री शर्मा का जन्मदिन हर्षोल्लास से मनाया। मंत्री शर्मा ने जन्मदिवस को हर्षोल्लास से मनाए जाने पर कार्यकर्ताओं, समर्थकों सहित सभी जिलेवासियों का आभार व्यक्त किया।

महाकुंभ में पवित्र स्नान कर लगाई आस्था की डुबकी

वन मंत्री संजय शर्मा ने अपने जन्मदिन पर अपने परिवार के साथ प्रयागराज में महाकुंभ में संगम घाट पर पवित्र स्नान कर आस्था की डुबकी लगाकर देश व प्रदेश की खुशहाली की कामना की। उन्होंने कहा कि महाकुंभ सनातन सभ्यता, संस्कृति, दर्शन और हमारी शाश्वत परम्पराओं की जीवंतता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि मां गंगा, यमुना और सरस्वती की दिव्य धाराओं के संगम में सपरिवार आस्था की डुबकी लगाना मेरा असीम सौभाग्य है। इस दौरान मंत्री शर्मा ने अपने प्रतिदन एक पौधा लगाने के संकल्प के तहत प्रयागराज के सर्किट हाउस में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान संदीप दायमा भी मौजूद रहे।

मरीजों को किये फल वितरित

सुमन चौधरी की अगुवाई में महिला चिकित्सा एवं राहुल गर्ग की अगुवाई में सामान्य चिकित्सालय व सेटेलाइट हॉस्पिटल कालाकुआं में कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने मरीजों व आमजन को फल वितरण किए। इसी प्रकार गौशाला में गौ सवामणी कर गाय माता को चारा खिलाया तथा जरूतमंदो को भोजन कराकर मंत्री शर्मा का जन्मदिन हर्षोल्लास से मनाया।

सुविचार

क्रोध हमेशा मनुष्य को तब आता है जब वह अपने आप को कमज़ोर और हारा हुआ पाता है।

संपादकीय .....✍

मुफ्त की रेवड़ियां कब तक?

चुनावों से पहले 'मुफ्त चीजें' देने के राजनीतिक दलों के वादों का दृढ़ता से विरोध करने की हिम्मत कोई राजनेता तो नहीं जुटा सका, अलबत्ता उच्चतम न्यायालय ने यह कहकर एक जरूरी मुद्दे की ओर सबका ध्यान जरूर दिला दिया कि 'राष्ट्रीय विकास के लिए लोगों को मुख्य धारा में लाने के बजाय क्या हम परजीवियों का एक वर्ग नहीं बना रहे' ...। मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी, मुफ्त यात्रा, मुफ्त खाद्यान्न ... सबकुछ मुफ्त देने की होड़ इतनी आगे बढ़ गई है कि अब हर राजनीतिक दल ऐसी लुभावनी घोषणाएं करने में दूसरे को पीछे छोड़ना चाहता है। आज कोई दल अपने चुनाव घोषणापत्र में यह लिखने का साहस नहीं कर सकता कि वोट देकर हमारी सरकार बना दीजिए, हम पहले ही दिन मुफ्त सुविधाओं को बंद कर देंगे। बंद करना तो दूर, अगर कोई यह भी लिख दे कि हम मुफ्त सुविधाओं वाली तमाम योजनाओं का पुनर्मूल्यांकन करते हुए इनके औचित्य पर विचार करेंगे, तो उसके वोट टूटने तय हैं। ये योजनाएं देश के खजाने पर भारी बोझ डालती हैं। ये भविष्य में अर्थव्यवस्था को किस दिशा में लेकर जाएंगी, इस पर सरकारों और राजनीतिक दलों ने चुप्पी साध रखी है। जो दल जितनी ज्यादा मुफ्त सुविधाएं देने का वादा करता है, वह उतना ही जनकल्याण का पक्षधर समझा जाता है। क्या जनकल्याण का यही एक तरीका है कि करोड़ों-अरबों रुपए या इतने मूल्य की चीजें / सेवाएं लोगों तक मुफ्त पहुंचा दें? इससे लोगों के जीवन में क्या बदलाव आ रहा है? लोगों के दिलो-दिमाग में यह धारणा जड़ जमाती जा रही है कि जो उन्हें सबकुछ मुफ्त दे, वही उनका हितैषी है। यह सोच नई नहीं है। प्राय: पुरानी फिल्मों / कहानियों में अमीरों से धन छीनकर उसका एक हिस्सा गरीबों को मुफ्त में बांट देने वाले शख्स का बहुत महिमा-मंडन होता था। संसाधनों के वितरण का यह तरीका सही नहीं ठहराया जा सकता, लेकिन कोई इसके विरोध में नहीं बोल पाता था।

पिछली सदी में गरीबों की हालत में सुधार लाने के लिए यह 'अद्भुत विचार' बड़ा मशहूर हुआ था कि अमीरों का धन गरीबों में बांट दिया जाए। आज भी इस विचार के समर्थक मौजूद हैं। क्या गरीबी दूर करने का यह उचित तरीका हो सकता है? अगर इस विचित्र फॉर्मूले को धरातल पर उतार भी दें तो सभी लोगों के हिस्से में जितने रुपए आएंगे, वे कुछ दिनों में खर्च हो जाएंगे। उसके बाद क्या? गरीबी दूर करने, लोगों को सक्षम बनाने, उन्हें भुखमरी, कुपोषण से निजात दिलाने के लिए सरकार को शुरुआत में कुछ मदद जरूर देनी चाहिए। इसके बाद रोजगार सृजन के जरिए उनकी क्रय क्षमता बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए, ताकि जीवन में सकारात्मक बदलाव का सिलसिला आगे बढ़ता रहे। अगर आज किसी गरीब परिवार को मुफ्त राशन दिया जा रहा है, लेकिन उसके सदस्यों को न तो कोई हुनर सिखाया जा रहा है और न रोजगार के अवसर पैदा किए जा रहे हैं, तो भविष्य में यह परिवार गरीब ही रहेगा। अगर आज किसी परिवार को मुफ्त बिजली दी जा रही है, लेकिन उसे सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रोत्साहन नहीं मिल रहा है, तो भविष्य में जैसे ही मुफ्त सुविधा बंद होगी, उस परिवार को बिजली बिल भारी लगेगा। अगर आज सरकारें किसानों के कर्ज माफ कर दें (पूर्व में कई बार कर्जमाफी हुई है) तो भविष्य में किसान दोबारा कर्जदार होंगे, क्योंकि खेती घाटे का सौदा बनी हुई है। सरकारें किसानों की सहायता जरूर करें। इसके साथ ही उन्हें खेती करने के उन्नत तरीकों का प्रशिक्षण भी दें। जब खेती से अच्छी कमाई होने लगेगी तो किसान कर्ज में नहीं डूबेगा। जब 'मुफ्त योजनाओं' पर कैंची चलाने की बात आती है तो जनता की ओर से यह तर्क दिया जाता है कि सांसद, विधायक और अधिकारी भी कई 'मुफ्त सुविधाएं' प्राप्त कर रहे हैं, उनके वेतन-भत्ते बढ़ रहे हैं, इस पर कोई आपत्ति क्यों नहीं करता? इसके लिए जरूरी है कि जनप्रतिनिधि और अधिकारी अपने जीवन में सादगी को अपनाकर जनता के लिए आदर्श बनें। महात्मा गांधी को देखकर उस ज़माने के बड़े-बड़े धनपति पैदल चलते थे, अपने हाथ से झाड़ू लगाते थे, खद्दर पहनते और चरखा चलाते थे। जब नेता का जीवन तपस्वी जैसा हो, आदर्श ऊंचा हो तो लोग उनसे प्रेरणा लेकर सुधार के लिए खुशी-खुशी आगे बढ़ते हैं।

ट्वीटर टॉक

पुलवामा आतंकी हमले में शहीद हुए माँ भारती के वीर सपूतों के बलिदान दिवस पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करती हूँ। मातृभूमि की सेवा और गौरव की रक्षा करने वाले आप जैसे देश के बहादुर वीर हम भारतवासियों के हृदय में एक दिव्य ज्योत बनकर युगों-युगों तक अमर रहेंगे।

-वसुंधरा राजे

गहलोत साहब को तो फोन टैपिंग के मामले में चर्चा करने का नैतिक अधिकार भी नहीं है। लेकिन उनके ओएसडी रहे लोकेश शर्मा ने दिल्ली न्यायालय में शपथ पूर्वक बयान रजिस्टर्ड कराकर कहा कि फोन टैपिंग हुई थी।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री, असम के पूर्व राज्यपाल, श्री शिवचरण माथुर जी की जयंती पर सादर नमन।अपने लंबे राजनीतिक जीवन में उन्होंने उनके पदों पर रहते हुए प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

असली संपदा

एक राजा सिद्ध और विरक्त संत बाबा गरीबदास जी के दर्शनों के लिए उनकी कुटिया पर पहुंचा। राजा ने उनका अभिवादन करने के बाद कहा, 'महाराज! किसी भी वस्तु की आवश्यकता हो तो बताइए, मैं आपकी सेवा में भिजवा दूंगा।' बाबा राजा के अहंकार को भांप गए। वह बोले, 'तुम्हारे पास अपना क्या है जो मुझे दोगे?' राजा ने कहा, 'ऐसी कौन-सी वस्तु है जो मेरे पास नहीं है। मेरा भंडार धन-धान्य तथा कीमती वस्तुओं से भरा हुआ है।' बाबा बोले, 'राजन, यह तुम्हारा भ्रम है कि धन-धान्य तुम्हारा है। तुम्हारा शरीर और सौंदर्य माता-पिता का दिया हुआ है। धन-धान्य धरती माता का दिया हुआ है। राजपाट भी तुम्हारा नहीं है। प्रजा के कारण ही तुम राजा हो। अतः राजपाट प्रजा का उपहार है। केवल धर्म ही अपनी संपत्ति होता है। धर्म का पालन करते हुए यदि तुम प्रजा की सेवा और रक्षा करोगे तो युगों- युगों तक अमर रहोगे।' संत के मुख से धन-संपत्ति और धर्म का रहस्य जानकर राजा उनके चरणों में गिर पड़े।

सामयिक

शिक्षा, संस्कार, संस्कृति की जनक

संजीव ठाकुर
मोबाइल : 9009 415 415

शिक्षा जीवन के महत्व, संस्कार की संकल्पना को निरूपित करती है वही साक्षरता मनुष्य के संपूर्ण जीवन को अंश मात्र से ही अपना पक्ष रखती हैं। शिक्षा व्यक्ति के संपूर्ण जीवन पद्धति को विकसित करने का जरिया तथा महत्वपूर्ण विकल्प है। जिसके अंतर्गत पढ़ना लिखना समझना चरित्र विकास बौद्धिक मानसिक मनोवैज्ञानिक आध्यात्मिक सभी पहलुओं में गुणात्मक विकास करने के लिए आवश्यक कारक है। सबसे पहले हमें शिक्षा और साक्षरता के मूल अंतर को पहचानना होगा। साक्षरता में संस्कृतिक सभ्यता तथा अन्य माननीय जीवन की कल्पना से इसका कोई संबंध नहीं रह जाता है। साक्षरता सदैव रोजगार मूलक पहलुओं से जुड़ी होती है। जबकि सभ्यता संस्कृति का विकास मानवी शिक्षा से ही संभव हो पाता है। शिक्षा हमें सभ्य होना सिखाती है। इसमें व्यक्ति के मनन, चेतना, सद्बुद्धि और विचारशीलता में वृद्धि करती हैश्र ऐसा भी संभव होता है कि कई वर्षों के अध्ययन से व्यक्ति सभ्य और सुसंस्कृत नहीं हो पाता है। इसीलिए विचारकों ने शिक्षा और संस्कृति को अलग-अलग पैमाने से नापा हैश्र सुसंस्कृत व्यक्ति सदैव संतुलित, शांत एवं नीति निर्णायक बन सकता है। पर कई उदाहरणों में ऐसा भी पाया गया है उच्च शिक्षित व्यक्ति उच्छृंखल हो सकता है। वर्तमान समय में उच्च शिक्षित और ज्यादा पढ़े लिखे अज्ञानियों की संख्या बहुतायत में है। ऐसा ज्यादातर तकनीकी शिक्षा के मामले में देखा गया है, इसीलिए उच्च शिक्षित व्यक्ति जो सद व्यवहार नहीं करता, उन्हें केवल साक्षर मान के शिक्षित व्यक्ति ना माना जाए। शिक्षा और संस्कृति तथा विरासत के मूल्य का आपस में गहरा संबंध है। जबकि साक्षरता का इससे बहुत दूर-दूर तक कोई लेना देना नहीं हैश्र वैसे शिक्षा और संस्कृति के ज्ञान का प्रारंभिक गर्भावस्था से ही हो जाता है, अर्जुन पुत्र अभिमन्यु इस बात के बहुत बड़े उदाहरण है। महात्मा गांधी तथा अब्राहम लिंकन ने मनुष्य के चरित्र निर्माण एवं विकास के लिए माताओं का योगदान बहुत महत्वपूर्ण बताया है।

परिवार की शिक्षा के बाद विद्यालयों की शिक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। इसमें अनुशासन, सहभागिता, समानता एवं नेतृत्व जैसे गुणों का समावेश होता है। पुस्तकों का ज्ञान व्यक्ति एवं व्यक्ति के जीवन में संज्ञानात्मक विकास को बढ़ावा देता है। पर शिक्षक की भूमिका जिंदगी में बड़ी ही प्रेरणादाई होती है। यह कहा जाता कि बिना गुरु ज्ञान नहीं हो सकता है, लोकोक्ति सही भी है, शिक्षकों का मार्गदर्शन खेल खेलने से विकसित होने वाले मूल्य जैसे समूह की भावना, निष्पक्षता, ईमानदारी,साहस की भावना को परिष्कृत करती है।

ऐसे कई उदाहरण हैं की बिना साक्षरता के व्यक्ति पूर्ण रूप से शिक्षित एवं सुसंस्कृत हो सकता है। अपने समय के महान चिंतक फिलासफर सुकरात ने कहा था कि मैं शिक्षित अथवा ज्ञानी इस अर्थ में हूं, कि मैं कुछ नहीं जानता। शिक्षा व्यक्ति के जीवन में अहंकार, लालच, हिंसा, कटुता आदि को नियंत्रित करने में मदद देती है। पुराण काल में रावण प्रकांड पंडित एवं साक्षर व्यक्ति माना जाता था पर स्त्री के अपहरण में उसका कृत्य अहंकार लालच लिप्सा उसकी साक्षरता को सार्थक नहीं कर पाई। पर आज के संदर्भ में जब आज का युग प्रतिस्पर्धा का युग है, साक्षरता ने शिक्षा की जगह वरीयता प्राप्त करना शुरू कर दिया है। यह माना जाता है जिस व्यक्ति के पास अच्छी नौकरी अच्छा पद और मोटी मोटी तनख्वाह है, उसका समाज ज्यादा ही सम्मान करने लगता है। इन्हीं कारणों से समाज मूल्य तथा संस्कृति के विकास को दरकिनार कर रोजगार मूलक साक्षरता को ही आज वरीयता देता है। और समाज उसे सिर आंखों पर बिठा के रखता है। इससे समाज के दीर्घकालिक सांस्कृतिक मूल्यों का हनन होता है, एवं क्षति भी होती है। और इस प्रक्रिया में साक्षरता पक्ष होने के कारण रोजगार साधन बन जाते हैं। एवं साधनों की परवाह न कर इसकी खुली अवहेलना हो लोग करने लगे हैं ,और इसी कारण शिक्षा के क्षेत्र में नकल, फर्जीवाड़े,धन देकर नौकरी प्राप्त करना आदि की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं।

साक्षर तो घोटालेबाज केतन पारेख हर्षद मेहता एवं कुख्यात आतंकवादी ओसामा बिन लादेन भी थे, किंतु इनकी शिक्षा की सार्थकता समाज द्वारा सदैव नापसंद की गई एवं समाज इन्हें हेय दृष्टि से देखने लगा है। आज के संदर्भ में ऐसी शिक्षा या साक्षरता की आवश्यकता है, जो मानव जीवन में मूल्यों का विकास एवं मूल्यों की प्रतिबद्धता विकसित कर सके। जिससे समाजिक गिरते मूल्यों तथा विरासत की अवहेलना ना हो सके। बिना मूल्यों के बिना संस्कृतिक विचारधारा के साक्षर होना ठीक उसी तरह है जैसे किसी बंदर के हाथ में बंदूक या उस्तरा देना है। हमें आज नैतिक साक्षरता देने की आवश्यकता होगी, जिससे व्यक्ति के व्यक्तित्व विकास विरासत की रक्षा तथा मानवीय संवेदनाओं का संपुट हो, जो व्यक्ति को एक अच्छा इंसान बना सकें।

विचार

तार तार हो रही है इंडि गठबंधन की एकता

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 9414441218

दिल्ली चुनाव के बाद इंडि गठबंधन में दरार चौड़ी होती जा रही है। एनडीए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मिलजुलकर मुकाबला करने के लिए बनाये गए इंडि गठबंधन में शामिल दलों का आपसी मतभेद समय के साथ और भी बढ़ता जा रहा है। दिल्ली चुनावों में इंडि गठबंधन की फूट खुलकर सामने आ गई। संसद के बजट सत्र में कुछ मुद्दों पर एका दिखाने के बाद गठबंधन में शामिल पार्टियों ने अपनी अपनी डफली और अपना अपना राग अलापना शुरू कर दिया है। लोकसभा चुनावों में दिल्ली में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस ने मिलकर चुनाव लड़ा था मगर विधानसभा चुनाव आते आते दोनों पार्टियों का मेल मिलाप तिनके की तरह बिखर गया। दिल्ली की लगभग एक दर्जन सीटों पर कांग्रेस के कारण आम आदमी पार्टी को हार का सामना करना पड़ा। इस चुनाव में गठबंधन की सभी प्रमुख पार्टियों ने आम आदमी पार्टी को अपना समर्थन दिया था। इंडिया गठबंधन का रिश्ता टूटने के बाद अब दोनों दल एक-दूसरे पर जमकर हमला बोल रहे हैं। आप और कांग्रेस के बीच तनातनी बढ़ गई है। यह रार गठबंधन की बुनियाद को कमजोर कर रही है और इसके टूटने के संकेत दे रही है। आम आदमी पार्टी की तरफ से कांग्रेस पर आरोप लगाया जा रहा है कि कांग्रेस भाजपा के साथ मिलकर काम कर रही है। दोनों सियासी पार्टियां एक-दूसरे को नीचा दिखाने पर तुली रहती हैं। हरियाणा में आप के चलते कांग्रेस को हार मिली, तो दिल्ली में आप को हराने में कांग्रेस ने कोई कसर नहीं छोड़ी। इंडिया ब्लॉक में दोनों पार्टी साझेदार है। मगर दिल्ली विधानसभा के चुनावों में दोनों पार्टियों ने एक दूसरे को भ्रष्ट घोषित कर आरोप प्रत्यारोप की झड़ी लगा दी । कांग्रेस और आप के बीच खटास इतनी बढ़ चुकी है कि अब दोनों दल एक-दूसरे पर सियासी हमले करने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय माकन ने अरविन्द केजरीवाल को देशद्रोही करार दिया वहीं संदीप दीक्षित ने भ्रष्टाचारी घोषित करते देर नहीं किया। माकन ने कहा कि अगर केजरीवाल को एक शब्द में परिभाषित करना हो, तो वो शब्द फर्जीवाल होगा। यही नहीं इंडि गठबंधन की अन्य पार्टियों ने भी कांग्रेस को अंगूठा दिखाना शुरू कर दिया। हरियाणा चुनाव के बाद दिल्ली के चुनाव में भी आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन नहीं हो सका था । कांग्रेस इस बार दिल्ली में अपनी ताकत दिखाना चाहती थी और इसलिए पार्टी ने कई चुनाव क्षेत्रों में आप नेताओं के खिलाफ मजबूत उम्मीदवार उतार दिए मगर कांग्रेस को जीरो हैट्रिक का सामना करना पड़ा। हम तो डूबे सनम मगर तुमको भी ले डूबे कहावत चरितार्थ हो गई। दरअसल गठबंधन में टूट की एक वजह कांग्रेस की महत्वाकांक्षा भी है। लोकसभा चुनाव के बाद से कांग्रेस अपना जनाधार बढ़ाने में जुटी है। इसी वजह से पार्टी हरियाणा के बाद दिल्ली में अकेले मैदान में उतरी, फलस्वरूप दोनों ही राज्यों में कांग्रेस को सफलता नहीं मिल पाई। कांग्रेस के सहयोगी आरजेडी को 2025 में बिहार तो तृणमूल कांग्रेस को 2026 में पश्चिम बंगाल में कांग्रेस के प्रेशर पॉलिटिक्स का डर सता रहा है। घटक दलों का कहना है कि जिस राज्य में उसके पास जनाधार है, वहां उसे गठबंधन में ड्राइविंग सीट पर बैठने का मौका मिलना चाहिए।

इंडि गठबंधन में शामिल दल लाख दावा करे मगर सच तो यही है कि एकता अब तार तार हो गई है। इससे पूर्व ममता बनर्जी ने इंडि नेतृत्व पर सवाल उठाये तो लालू यादव सरीखों ने ममता को नेतृत्व सौंपने की वकालत की थी। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत से ही कांग्रेस अडानी मुद्दे पर काफी आक्रामक रही। विपक्ष के सांसदों ने इस मुद्दे पर संसद भवन परिसर में विरोध-प्रदर्शन भी किया लेकिन एसपी और टीएमसी के सांसद इस प्रदर्शन में शामिल नहीं हुए। इसी भांति महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में करारी हार होने के बाद कांग्रेस ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन यानी ईवीएम पर सवाल उठाए थे। इंडिया गठबंधन के सदस्य और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस के इस रुख की आलोचना की है।

उन्होंने कहा कि अगर आप ईवीएम के जरिए जीत मिलने पर जश्न मनाते हैं तो कुछ महीनों बाद चुनाव में हारने पर ईवीएम को खारिज नहीं कर सकते हैं। इसी तरह अडानी के मुद्दे पर शरद पवार की एनसीपी और अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी का रुख कांग्रेस से अलग देखा गया। संभल के सवाल पर कांग्रेस और अखिलेश अलग अलग खड़े दिखाई दिए। इसी बीच राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि, इंडिया गठबंधन बनने के दौरान यह तय हो गया था कि यह गठबंधन केवल लोकसभा चुनाव के लिए है, विधानसभा चुनाव के लिए यह गठबंधन नहीं है।

नजरिया

क्रूरता की हदें पार करता कॉलेजों में रैगिंग का मामला

अशोक भाटिया
मोबाइल : 9221232130

कोट्टायम के सरकारी नर्सिंग कॉलेज में रैगिंग की एक बेहद क्रूर घटना सामने आई है, जिसने सभी को झकझोर कर रख दिया है। इस घटना में पांच सीनियर छात्रों ने फर्स्ट ईयर के तीन स्टूडेंट्स के साथ ऐसी अमानवीय हरकतें कीं हैं जो काफी डरावनी हैं। घटनाएं पिछले साल 16 नवंबर को शुरू हुईं और इस साल 10 फरवरी तक जारी रहीं। तिरुवनंतपुरम के रहने वाले तीनों छात्र अपने भविष्य के सपने लेकर कॉलेज पहुंचे थे, लेकिन उनके साथ हुई ये बर्बरता अब सभी को झकझोर रही है। एक खौफनाक वीडियो सामने आया है जिसमें साफ दिख रहा है, छात्रों के साथ कैसे रोंगटे खड़े कर देने वाला बर्बरता किया गया है। इस विचलित करने वाले वीडियो में जूनियर छात्र को दी गई यातना को दिखाया गया है। वीडियो सामने आने के बाद अब सवाल उठ रहे हैं कि कॉलेजों में रैगिंग जैसे खतरे को रोकने के लिए कानून होने के बावजूद कई परिसरों में रैगिंग का आतंक कैसे जारी है। वीडियो में एक छात्र बिस्तर पर लेटा हुआ दिखाई दे रहा है। उसके हाथ और पैर बिस्तर के सिरों से बंधे हुए हैं और वह दर्द से तड़प रहा है। दूसरा छात्र उसे बार-बार कंपास के नुकीले सिरे से चुभो रहा है। वह दर्द से चिल्ला रहा है। शरीर पर कई चोटें हैं और कथित तौर पर घावों को चुभने के लिए उन पर एक सफेद लोशन डाला गया है।

रैगिंग करने वालों एक आरोप यह भी है कि सीनियर्स ने रविवार को जूनियर्स से शराब खरीदने के लिए पैसे ऐंठे। जो नहीं देते थे, उनकी पिटाई की जाती थी। यह मामला तब सामने आया जब एक छात्र रैगिंग बर्दाश्त नहीं कर सका और उसने अपने पिता के सामने अपनी आपबीती बताई। उसके पिता ने फिर उसे पुलिस से संपर्क करने के लिए कहा। बता दें कि कोट्टयम में रैगिंग की घटना कोच्चि में एक 15 वर्षीय स्कूली छात्र की आत्महत्या की घटना के ठीक बाद हुई है, कथित तौर पर रैगिंग के कारण। मिहिर अहमद की मां राजना पीएम ने आरोप लगाया है कि उनके बेटे को स्कूल में पीटा गया, गाली दी गई और शौचालय की सीट चाटने के लिए मजबूर किया गया, जिससे वह बहुत परेशान हो गया। गौरतलब है कि हाल में रैगिंग के एक मामले में मद्रास उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एन वेंकटेश ने दोषी छात्रों को फटकार लगाते हुए कहा कि यदि आप रैगिंग जैसे घृणित कृत्य में लिप्त होंगे, तो आपके कॉलेज आने का क्या लाभ है। बेहतर होगा कि आप अनपढ़ और अशिक्षित ही बने रहें। यदि कोई व्यक्ति किसी को पीड़ा पहुंचा कर आनंद पा रहा है, तो इसका अर्थ है कि वह मनोरोगी है। नवंबर 2023 में पीएसजी कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, कोयंबटूर में हुई रैगिंग के मामले में गत 22 फरवरी को उच्च न्यायालय ने अनेक निर्देश दिये। कुछ समय पहले रैगिंग के एक मामले में भोपाल की जिला अदालत ने चार छात्राओं को पांच-पांच साल कैद की सजा सुनाई थी।

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसे ज्यादातर मामले अदालत तक जा नहीं पाते हैं। भोपाल की घटना में पीड़िता ने वरिष्ठ छात्राओं की प्रताड़ना से तंग आकर फांसी लगा ली थी। पीड़ित छात्रा की शिकायत को कॉलेज प्रबंधन ने अनसुना कर दिया था। उच्च शिक्षण संस्थानों में रैगिंग की घटनाएं अक्सर प्रकाश में आती रहती हैं, परंतु यदि सुप्रीम कोर्ट के सख्त निर्देशों के बावजूद ऐसी घटनाएं घट रही हैं, तो अभिभावकों, शिक्षकों और समाज को सोचने की आवश्यकता है। संस्थानों के प्रबंधन पर सवाल उठाने के साथ ही यह भी सोचना होगा कि क्या हम अपने बच्चों में अच्छे संस्कार डालने की ईमानदार कोशिश कर रहे हैं।

रैगिंग झेल रहे छात्र दोहरे शारीरिक एवं मानसिक शोषण के शिकार होते हैं। रैगिंग एक मनोवैज्ञानिक समस्या है। रैगिंग लेने वाले सीनियर छात्र अपने साथ हुआ बुरा व्यवहार जूनियर छात्रों पर दोहराना चाहते हैं। साथ ही, सीनियर छात्रों में अपने को बड़ा सिद्ध करने एवं रौब झाड़ने की प्रवृति काम करती है। रैगिंग के पीड़ित जूनियर छात्रों पर मनोवैज्ञानिक दबाव पड़ता है और वे स्वयं को अपमानित महसूस करते हैं। ऐसे अनेक छात्र आत्महत्या भी कर लेते हैं। इस मनोवैज्ञानिक समस्या को मनोवैज्ञानिक रूप से हल करने की आवश्यकता है। इसका अर्थ यह नहीं है कि रैगिंग

रोकने लिए नियम-कानूनों का पालन ही न किया जाए। दोषी छात्रों के साथ सख्ती से निपटना चाहिए। रैगिंग के खिलाफ कड़ी कार्रवाई से जहां सीनियर छात्रों को नया सबक मिलेगा, वहीं जूनियर छात्रों का आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। कुछ बुद्धिजीवियों का मानना है कि ऐसे मामलों में बहुत कड़ी सजा नहीं देनी चाहिए। कड़ी सजा से आरोपी छात्रों के भविष्य पर प्रश्नचिह्न लग सकता है। युवा होने के नाते उनकी आगे की जिंदगी को कठिनाई में डालना तर्कसंगत नहीं है। दूसरा पक्ष यह है कि रैगिंग के माध्यम से जूनियर छात्रों का शारीरिक और मानसिक शोषण कर उन्हें आत्महत्या के लिए प्रेरित किया जा रहा है। क्या यह एक गंभीर अपराध नहीं है?

ज्ञात हो कि सुप्रीम कोर्ट की ओर से सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को यह निर्देश है कि रैगिंग की घटना के लिए संस्थान को जिम्मेदार माना जायेगा। यूजीसी भी प्रति वर्ष विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों को पत्र भेजकर रैगिंग रोकने के निर्देश देता रहता है। हर शिक्षण संस्थान दाखिला देने से पहले छात्रों से हलफनामा भी लेता है कि रैगिंग जैसी घटना में शामिल पाये जाने पर उसका दाखिला रद्द कर दिया जायेगा। रैगिंग रोकने हेतु विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में समितियां भी बनायी जाती हैं। ऐसी घटनाएं होने पर संस्थान की मान्यता रद्द करने का प्रावधान भी है। लेकिन इनके बावजूद रैगिंग की घटनाएं रुक नहीं रही हैं। अब तो यह प्रवृत्ति पब्लिक स्कूलों में भी बढ़ रही है। पिछले दिनों कुछ पब्लिक स्कूलों में भी ऐसी घटनाएं प्रकाश में आयी थीं। हालांकि उच्च शिक्षण संस्थानों में रैगिंग रोकने के प्रयास होते दिखाई देते हैं, लेकिन पब्लिक स्कूलों के बारे में ऐसा नहीं कहा जा सकता है। कई बार संस्थान ऐसी घटनाओं को छिपाने का प्रयास भी करते हैं। रैगिंग की घटनाओं का छिपाने का प्रयास ठीक वैसा ही है, जैसे बीमार व्यक्ति द्वारा रोग को छिपाने की कोशिश करना। रोग को जितना छिपाया जायेगा, वह उतना ही अधिक बढ़ता जायेगा।

रैगिंग रूपी रोग को रोकने के लिए शिक्षण संस्थानों को अपने परिसर में बेहतर माहौल बनाना होगा। उन्हें छात्रों में व्यावहारिक रूप से नैतिक मूल्य विकसित करने की कोशिश करनी होगी। शिक्षण संस्थान भाषणों में तो नैतिक मूल्यों की बात बहुत करते हैं, लेकिन धरातल पर ऐसा कोई प्रयास होता नहीं दिखता। हमें समझना होगा कि रैगिंग की घटनाएं कानून के बल पर रुकने वाली नहीं हैं। इसके लिए सामूहिक रूप से प्रयास करना होगा। जो बच्चे रैगिंग की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं, उनके अभिभावकों को यह जानने की चेष्टा करनी होगी कि उनके बच्चों में श्रेष्ठता और रौब गालिब करने की भावना क्यों पनप रही है। यदि ऐसे मामलों में अभिभावक हाथ पर हाथ रखकर बैठ गये, तो समस्या और बढ़ेगी।

कुछ वर्ष पूर्व हिमाचल प्रदेश के एक मेडिकल कॉलेज में रैगिंग के दौरान उन्नीस वर्षीय छात्र अमन काचरू की मौत हो गयी थी। तब अमन के पिता राजेंद्र काचरू ने रैगिंग रोकने और रैगिंग पर कानून बनाने के लिए एक अभियान चलाया था। रैगिंग रूपी सामाजिक अभिशाप को रोकने लिए एक बार फिर ऐसे ही अभियान की जरूरत है। दरअसल कॉलेज के वे शुरूआती साल हम सब की ज़िन्दगी के बेहद खूबसूरत समय, दोस्तियों, व्यक्तित्व विकास की नींव होते हैं। रैगिंग असल में पढाई और व्यक्तित्व विकास के उन स्वस्थ तरीकों और माहौल में बाधा डालती है। यह उम्र और सीनियरटी में बड़े होने का झूठा दम्भ और कुत्सित हरकतों के सामाजिकीकरण को बढ़ावा देती है। मुश्किल है कि रैगिंग करने वाले छात्र भविष्य में इस मानसिकता के साथ एक उत्कृष्ट नागरिक या प्रोफेशनल बन पाएं। इसे बर्दाश्त करना भी सही नहीं हैं क्यूंकि ऐसे में हम ऐसी घटिया सोच को ही बढ़ावा दे रहे हैं।

14वीं सदी के शासक की भूमिका निभाएंगे सुनील शेट्टी

फिल्म निर्माता कनु चौहान एक गुजराती योद्धा पर फिल्म बनाने की तैयारी कर रहे हैं, जिसने 14वीं शताब्दी में सोमनाथ मंदिर को घुसपैठियों से बचाने के लिए लड़ाई लड़ी थी। उनकी फिल्म का नाम केसरी वीर है, जिसमें सुनील शेट्टी, सूरज पंचोली और विवेक ओबेरॉय मुख्य भूमिका में हैं। निर्देशक ने इस फिल्म को बनाने को लेकर उत्साह जाहिर किया है। उन्होंने बताया कि केसरी वीर की कहानी उनके दिल के बहुत करीब है। इस फिल्म में, सुनील कथित तौर पर 14वीं शताब्दी के शासक की भूमिका निभाते नजर आएंगे। इसके लिए अभिनेता को घुड़सवारी और बहुत कुछ सीखना पड़ा। सुनील शेट्टी द्रोण के शासक राजा वेगडाजी भील की भूमिका निभा सकते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, सुनील शेट्टी केसरी वीर में एक अनूठा लुक अपनाएंगे। बताया गया कि सुनील को घुड़सवारी के अपने कौशल को निखारना पड़ा और उस समय के हथियार, जैसे स्वनिर्मित भाले, गोफन, कुल्हाड़ी, धनुष-बाण, चाकू और तलवारें सीखनी पड़ीं। उन्होंने तीरंदाजी भी सीखी, क्योंकि भील इसमें कुशल थे। साथ ही उन्होंने गुरिल्ला युद्ध भी सीखा। फिल्म में उनका लुक अनोखा है और वे पगड़ी, अंगरखा और धोती पहने हुए हैं व मूंछें रखे हुए हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म में कई एक्शन सीक्वेंस हैं, जिन्हें साउथ के एक्शन डायरेक्टर केविन कुमार ने डिजाइन किया है। वहीं कॉस्ट्यूम्स चंद्रकांत सोनवणे ने तैयार किए हैं। केसरी वीर में सूरज 16 वर्षीय वीर हमीरजी गोहिल का किरदार निभाएंगे, जिन्होंने दिल्ली सल्तनत के शासक अलाउद्दीन खिलजी के सेनापति जफर खान के आक्रमण से मंदिर की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी थी। वीर वेगदाजी के साथ मिलकर मुगल बादशाह से 10 दिनों की लड़ाई लड़े थे।

इस क्रिकेटर को गुपचुप डेट कर रही हैं राशा थडानी? क्यों उड़ रहीं हैं अफवाहें

रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी अपनी आगामी फिल्म आजाद के साथ बॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अपनी फिल्म के सिनेमाघरों में आने से पहले ही, अभिनेत्री अपने रिलेशनशिप की अफवाहों को लेकर चर्चा में आ गई हैं। ऐसी खबरें हैं कि राशा इन दिनों एक भारतीय क्रिकेटर को डेट कर रही हैं। उनकी डेटिंग की अफवाहें तब से शुरू हुईं जब टीम इंडिया के इस क्रिकेटर ने उन्हें सोशल मीडिया पर फॉलो किया और उनकी तस्वीरें लाइक की।

इस क्रिकेटर के साथ जुड़ा राशा का नाम

अभिनेत्री राशा थडानी के साथ जिस क्रिकेटर का नाम जुड़ रहा है, वह हैं स्पिनर गौतम यादव हैं। खबरें यह भी हैं कि दोनों गुपचुप डेटिंग कर रहे हैं। ये सारी अफवाहें तब शुरू हुईं जब गौतम ने इंस्टाग्राम पर राशा को फॉलो किया और उनके पोस्ट और तस्वीरों को लगातार लाइक किया। इस सोशल मीडिया एक्टिविटी ने नेटीजंस को हैरान कर दिया है और कयासों का बाजार गर्म होने लगा।

अभिनेत्री ने नहीं की कोई पुष्टि

हालांकि, दोनों में से किसी ने भी इन खबरों की पुष्टि या खंडन नहीं किया है, जिससे ये अफवाहें प्रशंसकों के बीच चर्चा का विषय बन गई हैं। फिल्म रिलीज से पहले, राशा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें अभिनेत्री को पढ़ाई और अभिनय दोनों करते हुए देखा जा सकता है। अभिनेत्री ने बताया था कि आने वाले दस दिनों में उनके बोर्ड एग्जाम शुरू होने वाले हैं।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

वीडियो में जब राशा से पूछा गया कि क्या वह अपनी लाइनें लिखने के लिए तैयार हैं, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, पढ़ाई कर रही हूं। 10 दिन से भी कम समय में मेरी बोर्ड परीक्षा है। मेरा पहला पेपर ज्योग्राफी का है।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

बता दें कि आजाद में राशा थडानी के अलावा अमान देवगन भी मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म 17 जनवरी, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। बता दें कि इससे पहले राशा ने आजाद के ट्रेलर लॉन्च के समय अपना अनुभव साझा करते हुए कहा था, 'मैं तो शूटिंग के वक्त काफी घबराई हुई थी, आज भी घबरा रही हूं। लेकिन अजय सर से लेकर बाकी टीम मेंबर्स ने मेरी पूरी मदद की।' फिल्म 'आजाद' में राशा के किरदार और अमन देवगन के किरदार के बीच एक प्यारी लव स्टोरी भी दिखाई गई है।

फेंचाईजी के चलन पर बोले बॉबी देओल

एवेंजर्स का असर अब बॉलीवुड पर भी छा गया है। एक-दूसरे से जुड़ी फेंचाईजी फिल्में बॉलीवुड में बन रही हैं। रोहित शेट्टी ने अपनी अलग कॉप यूनिवर्स बना डाली है तो यश राज फिल्म्स ने स्पाई यूनिवर्स। वहीं, दिनेश विजन ने हॉरर यूनिवर्स ही रच दिया है। बॉलीवुड में फेंचाईजी के इस चलन पर हाल ही में बॉलीवुड अभिनेता बॉबी देओल अपनी प्रतिक्रिया देते दिखे। बॉबी देओल से जब उस उभरते ट्रेंड के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि दर्शकों को सिनेमा का दिलचस्प अनुभव देने के लिए इंडस्ट्री में तरीके खोजे जा रहे हैं। इसकी शुरुआत हो चुकी है। मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स की सफलता से प्रेरित होकर बॉलीवुड में इंटरकनेक्टेड यूनिवर्स और फेंचाइजी के बढ़ते चलन बॉबी देओल ने कहा, मुझे लगता है कि इंडस्ट्री दर्शकों के लिए चीजों को दिलचस्प बनाने के तरीके खोजने की कोशिश कर रही है। इसलिए, चीजें सही होने लगी हैं। वे इसका ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं।

इस वजह से निर्माताओं ने अपनाया हाथ

बॉबी देओल का कहना है कि यह एक नई तरह का फ्लेवर है, जिसे इंडस्ट्री ने अपनाया है और यह अब पूरे भारत में हो रहा है। अगर देखा जाए तो दर्शकों के बीच भी इसका उत्साह है और यही वजह है कि फिल्म निर्माताओं ने इसमें हाथ आजमाया है। बता दें कि रोहित शेट्टी की कॉप यूनिवर्स की फिल्मों में सिंघम, सिम्बा और सूर्यवंशी शामिल हैं, जो एक-दूसरे से परस्पर जुड़ी हैं। यश राज फिल्म्स भी स्पाई यूनिवर्स तैयार कर रहा है। इसमें टाइगर फेंचाईजी, वॉर और पठान के किरदार साथ लाने की तैयारी है। वहीं, दिनेश विजन के हॉरर यूनिवर्स में, स्त्री, रूही, भेड़िया और मुंजा जैसी फिल्में शामिल हैं। साउथ में भी यह चलन बन गया है। हनुमान जैसी फिल्म का निर्देशन करने वाले प्रशांत वर्मा अलग सुपरहीरो यूनिवर्स बनाने का एलान कर चुके हैं।

चार साल बाद कमबैक कर खुश हैं दीपिका

चार साल के अंतराल के बाद दीपिका कक्कड़ सेलिब्रिटी मास्टरशेफ के साथ टेलीविजन पर वापसी कर रही हैं। चार साल के अपने कमबैक पर दीपिका काफी खुश हैं। दीपिका ने एक इंटरव्यू में कहा कि कुकिंग मेरे बचपन का पैशन रहा है। अभिनेत्री ने बताया कि वह इस शो में आकर अपने बचपन के सपने को पूरी खुशी के साथ पूरा कर रही हैं। दीपिका ने यह भी कहा कि कुकिंग शो के प्रोमो वायरल होने के बाद उन्हें फैंस का खूब प्यार मिल रहा था। दीपिका का मानना है कि इससे अच्छा कमबैक उनका नहीं हो सकता था।

इमरजेंसी के लिए थिएटर चुनना एक गलती थी

कई विवादों के कारण फिल्म की रिलीज में देरी झेलने के बाद कंगना रनौत की निर्देशन में बनी फिल्म इमरजेंसी आखिरकार अब सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। प्रशंसक एक बार फिर कंगना को स्क्रीन पर देखने के लिए उत्साहित हैं। हालांकि, कंगना अब फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज के एक गलती बता रही हैं और उनका मानना है कि ओटीटी पर उन्हें एक बेहतर डील मिल सकती थी। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने और क्या कहा है।

ओटीटी पर बेहतर डील मिल सकती थी

हाल ही में, एक साक्षात्कार में कंगना से फिल्म की रिलीज में देरी को लेकर पूछा गया। इस पर अभिनेत्री ने कहा, मैं डरी हुई थी। मुझे लगा कि इसे सिनेमाघरों में रिलीज करना गलत फैसला था। मुझे लगा कि मुझे ओटीटी पर बेहतर डील मिल सकती थी। मुझे तब सेंसरशिप से भी नहीं गुजरना पड़ता और मेरी फिल्म को इतने विवादों से होकर नहीं गुजरना पड़ता। मुझे नहीं पता था कि सेंसर बोर्ड क्या-क्या हटा देंगे और हमें रखने देंगे।

अभिनेत्री ने की हैं ये गलतियां

अभिनेत्री ने आगे यह भी बताया कि उन्हें किन चीजों को लेकर पछतावा है। कंगना ने कहा, मुझे लगता है कि फिल्म को बनाने में मैंने कई गलतियां की हैं। सबसे पहली गलती थी फिल्म का निर्देशन करना। मैंने इस चीज को अपने लिए अच्छा समझा कि अब हमारे पास कांग्रेस की सरकार नहीं है तो फिल्म को लेकर कोई दिक्कत नहीं आएगी। आज तक किसी ने वह फिल्म नहीं देखी है और उस समय, उन्होंने सभी प्रिंट जला दिए थे। इसके अलावा, किसी ने श्रीमती गांधी के बारे में फिल्म नहीं बनाई।

इस बात का अभिनेत्री को है पछतावा

अभिनेत्री ने आगे यह भी बताया कि उन्हें किन चीजों को लेकर पछतावा है। कंगना ने कहा, मुझे लगता है कि फिल्म को बनाने में मैंने कई गलतियां की हैं। सबसे पहली गलती थी फिल्म का निर्देशन करना। मैंने इस चीज को अपने लिए अच्छा समझा कि अब हमारे पास कांग्रेस की सरकार नहीं है तो फिल्म को लेकर कोई दिक्कत नहीं आएगी। आज तक किसी ने वह फिल्म नहीं देखी है और उस समय, उन्होंने सभी प्रिंट जला दिए थे। इसके अलावा, किसी ने श्रीमती गांधी के बारे में फिल्म नहीं बनाई। बता दें कि कंगना रनौत, अनुपम खेर , श्रेयस तलपदे, अशोक छाबड़ा, महिमा चौधरी, मिलिंद सोमन, विशाक नायर और सतीश कौशिक की मुख्य भूमिकाओं वाली इमरजेंसी 17 जनवरी को स्क्रीन पर आएगी।

मैं खुद को साधारण एक्टर मानता हूं, कोई तीसमार खां नहीं

बॉलिवुड में हर रंग की भूमिका अदा कर चुके अभिनेता श्रेयस तलपड़े थिएटर और मराठी फिल्मों की पृष्ठभूमि लेकर आते हैं। अपनी दमदार आवाज से पुष्पा वन ही नहीं बल्कि पुष्पा 2 के साथ-साथ टमुफासान्द लायन किंग से भी दर्शकों का दिल जीतने वाले श्रेयस का मानना है कि निर्देशकों और किरदारों के मामले में वे भाग्यशाली रहे हैं। जल्द ही वो इमरजेंसी में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की भूमिका में दिखेंगे।

आप एक समर्थ एक्टर हैं, मगर आपको लगता है कि आपकी प्रतिभा का अब तक पूरा-पूरा इस्तेमाल नहीं हुआ है?

अगर दर्शकों को या मेरे चाहने वालों को ऐसा लगता है, तो ये अच्छी बात है। एक एक्टर के लिए तो ये सुखद पहलू है, अगर लोगों को लगता है कि उसका निचोड़ आना अभी बाकी है। मुझ जैसा अभिनेता हमेशा अपने क्राफ्ट को संवारने में यकीन करता है। व्यक्तिगत तौर पर मुझे लगता है कि मैं बहुत बड़ा तीसमार खां नहीं हूं। मैं पूरी ईमानदारी से निर्देशक के विजन का पालन करता हूं, मगर आज के दौर के कई अभिनेता अपने क्राफ्ट पर उतनी मेहनत नहीं करते। जैसे हम खास तौर थिएटर में होमवर्क में आवाज, पोश्चर, अंदाज और लुक पर मेहनत करते थे, आज मुझे उसकी कमी नजर आती है। आज कल जो कहते हैं न, अंडर प्ले करो उसका मतलब कोई नहीं जानता। उन्हें ऐसा लगता है, कम आवाज में बिना मुंह खोले बोलेंगे, तो अंडर प्ले होगा, जो सबसे बड़ी बकवास है। मुझे लगता है कलाकार होने के नाते हमें अपने क्राफ्ट पर काम करते जाना है।

सालों पहले आप ओम शांति ओम में शाहरुख खान के साथ नजर आए थे और हाल हाल ही में आपने मुफासान्द लायन किंग में टिमोन के किरदार को आवाज दी, जिसमें शाहरुख, आर्यन और अबराम की भी आवाजें थीं?

बहुत मजा आया। क्योंकि ये सारे आइकॉनिक किरदार हैं। 25 -30 सालोंसे हम इन चरित्रों को देखते सुनते आए हैं। उन किरदारों को हिस्सा बनना बहुत बड़ी बात रही। वाकई शाहरुख खान के साथ एक बड़ी लंबी असोसिएशन रही है और खुशी की बात है कि इस यात्रा में अबराम भी जुड़े, मगर इतना जरूर कहना चाहूंगा कि शाहरुख जितने बड़े कलाकार हैं, उतने ही कमाल के इंसान भी। हमारी ज्यादा मुलाकातें नहीं होतीं, मगर आज भी हम जब मिलते हैं, ओम और पप्पू (ओम शांति ओम के किरदार) की तरह मिलते हैं। मुझसे ज्यादा उन्होंने रिश्तों को मेंटेन किया है। जिन -जिन लोगों के साथ उन्होंने काम किया है, उन पर गहरा प्रभाव छोड़ा है।

पुष्पा के बाद पुष्पा 2 में भी आप अल्लू अर्जुन की आवाज बन कर छा गए।

मैं इसका पूरा श्रेय नहीं ले सकता। ये तो टीम वर्क था, जिसमें एक्टर-डायरेक्टर और पूरे क्रू ने मेहनत की। हां, मेरी कोशिश यही थी कि मैं पुष्पा याने अल्लू अर्जुन की आवाज बनूं। ये लोगों तक पहुंची। मुझे बहुत प्यार मिला इस फिल्म से। और बेहद खुशी है कि पुष्पा 2 में ही मेरी आवाज को सराहा गया। लायन किंग में मेरी डबिंग के बाद ही मुझे पुष्पा की आवाज बनने का मौका मिला।

आप इमरजेंसी में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का किरदार निभा रहे हैं। आपसे पहले पंकज त्रिपाठी ने भी इसे अदा किया।

मैंने पंकज त्रिपाठी अभिनीत मैं अटल हूं नहीं देखी। मैं वो फिल्म देख कर उनसे इंफ्लुएंस नहीं होना चाहता था। मेरे जहन में एक चीज थी कि मेरी निर्देशक (कंगना रनौत) के मन में इस कहानी को लेकर एक कन्विक्शन थी और मैं उसी के अनुसार इस किरदार को निभाना चाहता था। मुझे डर था कि मैं कहीं उस किरदार को कैरिकेचरिस्ट न कर दूं, क्योंकि हमारी जनरेशन ने उन्हें काफी देखा है, उनको मिमिक किया है, तो कोई भी अगर अटल जी को निभा रहा है, तो उसका कैरिकेचरिस्ट होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। मेरे साथ एक अच्छी बात ये भी थी कि हम जो दौर दिखा रहे हैं, वो उनकी यंग ऐज है, तो मैंने उसी दौर के हिसाब से किरदार को बुना।

आपने सालों पहले ओम शांति ओम में फराह खान जैसी महिला निर्देशक के साथ काम किया था और अब आप डायरेक्टर के रूप में कंगना रनोत के संग आए, दोनों निर्देशकों में आपने क्या अंतर पाया?

मेरे हिसाब से निर्देशक, निर्देशक होता है। उसका औरत या मर्द होने से कोई तालुक नहीं होता। आप सेट पर पहले ही दिन तय कर लेते हैं कि इस निर्देशक की सुननी है या नहीं। आपको पता चल जाता है कि ये निर्देशक कितनी तैयारी के साथ आया है। फराह खान की स्टोरी टेलिंग और फिल्म मेकिंग का अंदाज अलग है, मगर वे सेट पर पूरी तैयारी के साथ आती हैं। ठीक उसी तरह कंगना मैम भी सेट पर अपनी तैयारी के साथ चाक चौबंद होकर आती थीं। सेट पर अटल जी को लेकर मुझसे ज्यादा प्रेपरेशन उन्होंने किया था। निर्देशक महिला हो या पुरुष, उसकी तैयारी परिपूर्ण होनी चाहिए।

पुण्य भाग्य बनाती है चारधाम की यात्रा

उत्तराखंड को देवभूमि भी कहा जाता है, जिसका अर्थ है भगवान की स्थली। यह प्रदेश भारतवर्ष के अनेक पवित्र एवं महत्वपूर्ण तीर्थो का स्थल है। भगवान की स्थली मने जाने वाला यह प्रदेश पर्यटको को अपने अदभूत सोंदर्य के लिए आकर्षित करता है। अपने अनगिनत पवित्र स्थलों, मंदिरों, तीर्थो, नदियों एवं झीलों से आकर्षित होकर प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में पर्यटक यहाँ तीर्थाटन के लिए आते है। उत्तराखंड अपने पवित्र धामों के कारण प्रत्येक हिन्दू का वांछित स्थल है। चारधाम, हरिद्वार एवं ऋषिकेश की यात्रा को प्रत्येक हिन्दू के लिए अत्यन्त आवश्यक माना गया है। हिन्दू पुराणों के के अनुसार चारधाम की यात्रा पुण्य का भाग्य बनाती है। भगवान की यह स्थली, हजारो वर्ष पहले बनाये गए मंदिरों एवं धामों से यहाँ कि धार्मिक विरासत की और समृद्ध संकेत करती है। विश्व भर से लोग तीर्थाटन के लिए उत्तराखंड में आते है।

उत्तराखंड एक ऐसा राज्य है जो कि आध्यात्मिक वायु से ओतप्रोत है। यह आश्चर्यजनक नहीं है कि, मंदिर एवं तीर्थ इस खुबसूरत प्रदेश में काफी कम दुरी पर स्थित है। प्राकृतिक सोंदर्य के हिसाब से भी उत्तराखंड सर्वोत्तम है- खुबसूरत घाटियाँ, अनछुए पहाड़ी मैदान, बर्फ से ढकी हिमालय कि चोटियाँ, बर्फीले हिमनद, झिलमिलाती झीले, जल धारायें एवं हिमनद। यह राज्य अपने में आध्यात्मिक एवं धार्मिक मंदिरों, धामों, नदियों के लिए अत्यन्त प्रसिद्ध है।

तीर्थयात्रियों के लिए यह एक जीवनकाल का एक अदभूत अनुभव होता है, यहाँ के मंदिर एवं धाम, गर्म जल धाराओं, घने जंगलो, बर्फाच्छादित पर्वतो, झीलों एवं पवित्र नदियों से घिरे हुए है। इस स्थली से कोई भी यात्री अनछुवा वापस नहीं जाता, क्योंकि यह क्षेत्र गहरी आस्था अदभूत आध्यात्म पवित्रता एवं दिव्यता से ओतप्रोत है। हिन्दुओं कि सबसे पवित्र मने जाने वाली चारधाम यात्रा में तीर्थयात्री बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री एवं यमुनोत्री के दर्शन करते है।

उत्तराखंड के प्रसिद्द धार्मिक स्थल है- बद्रीनाथ, केदारनाथ, यमुनोत्री, गंगोत्री, ऋषिकेश, हरिद्वार, हेमकुंड साहिब, रीठा साहिब एवं पंचकेदार। तीर्थयात्रियों के लिए यह एक जीवनकाल का एक अदभूत अनुभव होता है, यहाँ के मंदिर एवं धाम, गर्म जल धाराओं, घने जंगलो, बर्फाच्छादित पर्वतो, झीलों एवं पवित्र नदियों से घिरे हुए है। इस स्थली से कोई भी यात्री अनछुवा वापस नहीं जाता, क्योंकि यह क्षेत्र गहरी आस्था अदभूत आध्यात्म पवित्रता एवं दिव्यता से ओतप्रोत है। हिन्दुओं कि सबसे पवित्र मने जाने वाली चारधाम यात्रा में तीर्थयात्री बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री एवं यमुनोत्री के दर्शन करते है। जीवन एक यात्रा की तरह है । कभी यह सहज लगती है तो कभी दुर्गम। जब मन में उत्साह और विश्वास की ऊर्जा जागती है तो जीवन यात्रा कितनी भी दुर्गम हो, उसे हम खुशी-खुशी पूरा कर लेते हैं। चारधाम यात्रा को भी लोग विश्वास और उर्जा के साथ उत्साह से पूरा करते हैं । फिर यह ऊर्जा जीवन भर हमारे साथ चलती है। जीवन का हर कठिन और दुसाध्य लगने वाला काम हमारे लिए आसान हो जाता है। यह यात्रा पूरी करने के बाद जीवन की हर मुश्किल आसान लगने लगती है क्योंकि हर वक्त विश्वास की शक्ति हमारे साथ रहती है।

एक समय था, जब आने-जाने के संसाधन भी नहीं थे और चारधाम यात्रा बेहद कठिन मानी जाती थी, तब भी गृहस्थी की जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने के बाद दम्पति पैदल चारधाम यात्रा करते थे। उस समय, जो दंपत्ति सकुशल वापस लौट आते, उनके आने की खुशी में पूरा गांव उत्सब मनाता था। वर्ष 1962 के पहले रास्ते इतने आसान नहीं थे। परन्तु चीन के साथ हुए युद्ध के उपरांत भारतीय सैनिकों की आवाजाही से तीर्थयात्रियों के लिए रास्ते आसान हो गए। आवागमन के साधनों में सुधार हुआ और आज चारधाम यात्रा तीर्थयात्रियों के बीच लोकप्रिय बन चुकी है। प्रतिवर्ष लाखों श्रधालु विश्वास के सहारे इस यात्रा को पूरा करते हैं।

हिन्दुओं के चार पवित्र स्थलों (बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री, एवं यमुनोत्री) की तीर्थयात्रा को चारधाम यात्रा कहा जाता है। सदियों से संत एवं तीर्थयात्री, निर्वाण की खोज में इन स्थलों पर आते रहे हैं, जिन्हें की हिन्दू पुराणों के अनुसार केदारखंड कहा गया है। हिन्दुओं की आस्था के अनुसार, इन चार स्थानों की यात्रा को अत्यंत धार्मिक महत्व कामाना गया है।

बद्रीनाथ

बद्रीनाथ को इन चार धामों में सबसे पवित्र माना गया है। नर एवं नारायण नामक पर्वतों के बीच, एवं अलकनंदा नदी के तट पर स्थित बद्रीनाथ समुद्रतल से 3133 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यह धाम भगवान विष्णु को समर्पित है, जो की दुनिया के रक्षक माने गए हैं। यहाँ किसी भी जाती या वर्ण के भेदभाव के बिना, प्रभु के दर्शन किये जा सकते हैं। हिमालय की नीलकंठ चोटी का मनोरम रूप श्री बद्रीनाथ मंदिर के पीछे देखा जा सकता है। किसी समय यह स्थान बेरी के जंगलों के कारण बद्री वन नाम से प्रसिद्ध था। मंदिर के सामने, अलकनंदा के किनारे एक गर्म पानी का स्रोत तप्त कुंद नाम से जाना जाता है। स्त्रियों के लिए एक अलग कुण्ड की व्यवस्था है।

बदीनाथधाम की खोज आदिगुरू शंकराचार्य द्वारा आठवीं शताब्दी में की गई थी। अपनी योग सिद्धि एवं तपस्या के बल से शंकराचार्य ने ही अलकनंदा नदी के नारद कुण्ड से भगवान बद्री नारायण की मूर्ती को बाहर निकाल कर तप्तकुंड के पास गरुड़ गुफा में स्थापित किया था, सात शताब्दियों के कालांतर में गढ़वाल के महाराजा द्वारा मंदिर निर्माण कर इस विग्रह को वर्तमान मंदिर में स्थापित करवाया गया था तथा 18वीं शताब्दी में इन्दोर की महारानी अहिल्याबाई होलकर द्वारा मंदिर पर स्वर्ण कलश स्थापित करवाए गए थे। बाद में भूकंप के कारण ध्वस्त हुए बद्रीनारायण मंदिर का वर्ष 1803 में जयपुर के महाराजा द्वारा पुनर्निर्माण करवाया गया था। समय एवं आवश्यकता के आधार पर इसका कई बार जीर्णोद्धार भी हुआ है, वर्तमान मंदिर स्थापत्य कला का अनुपम उदहारण कहा जा सकता है। अलकनंदा नदी से 50 मीटर ऊंचे धरातल पर निर्मित इस मंदिर का प्रवेश द्वार अलकनंदा नदी की ओर देखता हुआ है।

केदारनाथ

उत्तराखंड में लगभग 400 शिव मंदिरों में से सबसे महत्वपूर्ण केदारनाथ को माना जाता है। पूर्व कथाओं के अनुसार, कुरुक्षेत्र में कौरवों पर विजय पाने के उपरान्त, पांडवों का मन अपने की लोगो की हत्या के कारण ग्लानी से भर गया, और यहाँ भगवान शिव के आशीर्वाद उन्होंने मोक्ष की प्राप्ति की। भीम द्वारा भगवान शिव का पीछा किया जाने पर, वो धरती में विलीन हो गए, शिव के अन्य चार अंग, चार अन्य स्थानों पर उभर आये, जहाँ उन्हें अलग-2 नाम से पूजा जाता है। केदारनाथ एवं इन चार अन्य मंदिरों को एक साथ पञ्च केदार नाम से जाना जाता है।

केदारनाथ की समुद्रतल से ऊंचाई लगभग 3584 मीटर है। यह मन्दाकिनी नदी के उदगम स्थल के निकट बसा हुआ है। मंदिर के चारो और ऊंची -2 मनोरम एवं खूबसूरत पहाड़ियां हैं। गौरीकुंड से केदारनाथ का 14 किलोमीटर का मार्ग पहाड़ी मार्ग है यमुनोत्री की तरह यंहा भी एक तरफ ऊंचे ऊंचे पहाड़ हैं और दूसरी तरफ गहरी खाइयाँ जिनकी गहराई जैसे जैसे यात्री ऊपर चढ़ते हैं बढ़ती जाती है, बीच में पगडण्डीनुमा रास्ता है जो पत्थरों से बना हुआ है यद्यपि इसकी चोड़ाई यमुनोत्री मार्ग की अपेक्षा अधिक है ढू रास्ते में जगह जगह अस्थाई ढाबे बने हुए हैं जो स्थानीय गढ़वाली लोगों द्वारा संचालित होते हैं, इनमें अच्छे खाने की अपेक्षा नहीं की जा सकती, ब्रांडेड वस्तुएं ही उपयोग की जानी चाहियें पूरे मार्ग में अलकनंदा नदी एवं हरियाली से आच्छादित पहाड़ साथ रहते हैं, पहाड़ों की चोटियों पर बर्फ के ग्लेशियर यात्रियों के आकर्षण का केंद्र बने रहते हैं, पहाड़ों से निकल कर नीचे आने वाले अनेक झरने मन को हर्षित करते हैं, पूरा मार्ग रमणीक तो है किन्तु थका देने वाला भी है गौरीकुंड से सात किलोमीटर की दूरी पर रामबाड़ा नाम का स्थान है यहां यदि यात्री चाहें तो रात्रि विश्राम की व्यवस्था उपलब्ध हो सकती है। केदारनाथ का रास्ता तय करने के लिए यहां घोड़े और खच्चर भी उपलब्ध हैं।

गंगोत्री

गंगोत्री को पवित्र नदी गंगा का उदगम (गौमुख हिमनद, गंगोत्री से 18 किलोमीटर पैदल) एवं देवगंगा की स्थली माना गया है। उदगम स्थल से नदी को भागीरथी कहा जाता है, एवं देवप्रयाग में अलकनंदा से संगम के बाद, इसे गंगा नाम से जाना जाता है। हिन्दू आस्था के अनुसार, गंगा स्वर्ग की पुत्री हैं, जिन्होंने नदी के रूप में अवतार लेकर राजा भागीरथ के पुरखों के पापों को दूर किया। गंगोत्री मंदिर से लगभग 100 गज दूर केदार गंगा बहती है।

यमनोत्री

भारत की सर्वाधिक प्राचीन और पवित्र नदियों में गंगा के समकक्ष ही यमुना की गणना की जाती है। भगवान कृष्ण की लीलाओं की साक्षी रही यह नदी ब्रज संस्कृति की संवाहक है। भारतवासियों के लिए यह सिर्फ एक नदी नहीं है, भारतीय संस्कृति में इसे माँ का दर्जा दिया गया है।

यमुना नदी का उद्गम हिमालय के पश्चिमी गढ़वाल क्षेत्र में स्थित यमनोत्री से हुआ है। हिन्दू धर्म के चार धामों में यमनोत्री का भी स्थान है। यमुना नदी की तीर्थस्थली यमनोत्री हिमालय की खूबसूरत वादियों में स्थित है। यमुना नदी का उद्गम कालिंद नामक पर्वत से हुआ है। हिमालय में पश्चिम गढ़वाल के बर्फ से ढँके श्रंग बंदरपुच्छ जो कि जमीन से 20,731 फुट ऊँचा है, के उत्तर-पश्चिम में कालिंद पर्वत है। इसी पर्वत से यमुना नदी का उद्गम हुआ है। कालिंद पर्वत से नदी का उद्गम होने की वजह से ही लोग इसे कालिंदी भी कहते हैं।

यमुना नदी का वास्तविक स्रोत कालिंद पर्वत के ऊपर बर्फ की एक जमी हुई झील और हिमनद चंपासर ग्लेश्यिर है। यह ग्लेशियर समुद्र तल से 4421 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है। इसी ग्लेश्यिर से यमुना नदी निकलती है और ऊँचे-नीचे, पथरीले रास्तों पर इठलाती, बलखाती हुई पर्वत से नीचे उतरती है। यहाँ चावल की छोटी छोटी पोटली को गरम पानी के कुण्ड में पकाया जाता है और प्रसाद के तौर भोग लगाया जाता है

सावधानियां जो आवश्यक हैं

स्वांस की बीमारी से पीड़ितों एवं ह्रदय रोगियों को पैदल जाने का दुस्साहस नहीं करना चाहिए, चढ़ाई में परेशानी हो सकती है तथा ऑक्सीजन की कमी भी परेशान कर सकती है, ऐसे लोगों को गौरीकुंड से छोटे ऑक्सीजन के सिलेंडर खरीद कर साथ रखने चाहियें जो वंहा 250 -300 रुपये में आसानी से उपलब्ध होते हैं, कुछ लोग कपूर भी साथ रखते हैं जिसे सूंघने से कुछ राहत मिलती है ढू पैदल जाने वाले यात्रियों को सुविधा के लिए गौरीकुंड से ही छड़ियाँ (स्टिक्स) ले लेनी चाहिए चढ़ाई वाले मार्ग में यह चढ़ने एवं उतरने में सहायक होती हैं, जून से अगस्त में यंहा बरसात होती रहती है जो परेशानी का कारण बन सकती है इसके लिए हलके रैन कोट्स साथ रखने चाहियें जिन्हें आवश्यकता पड़ने पर उपयोग में लिया जा सकता है वैसे मार्ग में भी ऐसे हलके बरसाती गाउन उपलब्ध हो जाते हैं। किसी भी तरह की बीमारी से ग्रसित लोगों को अपनी दवाइयां अवश्य साथ रखनी चाहिए क्योंकि आप जो दवा लेते हैं वह आवश्यक नहीं कि वंहा के मेडिकल स्टोर्स में उपलब्ध हो जाये। डायबिटीज़ के रोगियों को भी अपनी दवा के अतिरिक्त खाने पीने की अन्य आवश्यक सामग्री अपने साथ अवश्य रखनी चाहिए। इस मार्ग में सुविधा जनक वस्त्र पहनने से किसी संभावित परेशानी से बचा जा सकता है। पांव में भी सुविधाजनक शूज़ या सेंडल ही पहनने चाहियें जो पांव को काटे नहीं,महिलाओं को ऊंची हील की चप्पल या सेंडल भूल कर भी नहीं पहननी चाहिए, पांव फिसलने या मुड़ने की संभावना रहती है। अपने साथ कम से कम वजन रखने से आपको थकान कम होगी, वैसे वजनदार सामान के लिए कंडी (पिट्ठू) हायर कर लेना आपके लिए सुविधाजनक होगा। यद्यपि पालकी या कंडी वाले मजदूर ईमानदार होते हैं फिर भी मूल्यवान वस्तुओं के प्रति सावधानी रखनी चाहिए।

मौसम

केदारनाथ में अप्रैल से जून तक मौसम दिन में सुहाना एवं रात्रि में हल्की ठंडक रहती है,इसलिए पहनने के लिए हलके गरम कपड़े साथ लेने चाहिए, जून से सितम्बर बरसात रहती है, पहाड़ों से चट्टानें टूट कर गिरने की भी संभावना रहती है जिससे मार्ग अवरुद्ध हो सकते हैं अतः सावधानी आवश्यक है,सितम्बर से नवम्बर में मंदिर के पट बंद होने तक तेज़ सर्दी रहती है, भारी गरम कपडे साथ रखना आवश्यक है। दीपावली पर कपट बंद होने के बाद अप्रैल में वापस खुलने तक पूरा क्षेत्र बर्फ से ढक जाता है, मार्ग भी बर्फ से बंद हो जाते हैं,इस अवधि में यंहा कोई नहीं रहता, दुकानों एवं मकानों की एक से दो मंजिल तक बर्फ में दब जाती हैं।

कलश यात्रा के साथ श्रीमद भागवत का हुआ शुभारम्भ

जयपुर टाइम्स

सवाईमाधोपुर(निसं.)। जिला मुख्यालय के पटेल नगर स्थित हनुमान मंदिर में रविवार से श्रीमद भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह का भव्य कलश यात्रा के साथ शुभारम्भ हुआ। आयोजक नंद किशोर ने बताया कि कथा का वाचन पंडित भरतलाल शास्त्री द्वारा किया जा रहा है । यह आयोजन 16 से 22 फ़रवरी तक प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। कथा के प्रथम दिन कथा वाचक द्वारा भागवत महात्म की कथा का वर्णन किया गया। जिसमे सभी भक्तो ने कथा का श्रवण किया।

सादड़ी और रानी थाना क्षेत्र में कंठी लूट के मास्टरमाइंड सहित तीन आरोपी गिरफ्तार, पुलिस की शानदार कार्यवाही

जयपुर टाइम्स

सादड़ी बाली(निसं.)। पाली जिले के सादड़ी और रानी थाना क्षेत्र के देवली पाबूजी में वृद्धा और सादड़ी में महिला के साथ हुई कंठी लूट की वारदात का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने मास्टरमाइंड आरोपी समेत दो अन्य साथियों को गिरफ्तार कर लिया है। इस सफलता में रानी और सादड़ी थाना अधिकारी हनवंत सिंह सोठा और उनकी पूरी टीम, विशेषकर साइबर टीम की अहम भूमिका रही। कंठी लूट की वारदात को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने 10 दिन की कड़ी मेहनत और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर सुरागों को जोड़ते हुए 850 किलोमीटर तक पीछा किया। अंततः दिल्ली से मास्टरमाइंड अपराधी को धर दबोचने में पुलिस को सफलता मिली। इस कार्यवाही से क्षेत्र में अपराधियों के खिलाफ सख्त संदेश गया है और आम जनमानस में पुलिस के प्रति विश्वास और भी मजबूत हुआ है। सादड़ी और रानी सहित समस्त पुलिस टीम की इस उत्कृष्ट कार्यवाही के लिए प्रशंसा की जा रही है।

निःशुल्क करियर गाइडेंस सेमिनार का आयोजन

जयपुर टाइम्स

कुचामन सिटी(निसं.) सरला बिड़ला कल्याण मंडपम में रविवार को एकलव्य इंस्टीट्यूट द्वारा सुप्रसिद्ध फिजिक्सवाला की विद्यापीठ के सहयोग से निःशुल्क करियर गाइडेंस सेमिनार का आयोजन किया। इस संबंध में जानकारी देते हुए एकलव्य के निर्देशक अक्षय जोशी ने बताया कि सेमिनार में जेईई व नीट के माध्यम से आईआईटी, एनआईटी, एम्स में प्रवेश व तैयारी के लिए फिजिक्सवाला की अनुभवी फेकल्टी द्वारा विद्यार्थियों का मार्ग दर्शन किया गया। इस अवसर पर एकलव्य एकेडमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल के चेयरमैन मनोज जोशी, प्रधानाचार्य मूलचंद शास्त्री ने भी सेमिनार को संबोधित किया। सेमिनार में एकलव्य स्कूल के विगत दो वर्षों में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आयोजित सेमिनार में सैकड़ों विद्यार्थियों ने भाग लिया।

जिला नागौर टारगेट बॉल एसोसिएशन के चुनाव संपन

जयपुर टाइम्स

कुचामन सिटी(निसं.) राजस्थान टारगेट बॉल एसोसिएशन की सालाना साधारण सभा का आयोजन यंगेस्ट स्कूल, कुचामन सिटी के परिसर में हुआ। इस बैठक में जिला नागौर टारगेट बॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष के रूप में कुचामन सिटी निवासी पवन कुमावत ,सचिव के रूप में डेगाना क्षेत्र के कितलसर निवासी हरीश जाजड़ा एवं उपाध्यक्ष पद पर कुचामन सिटी निवासी धनराज कुमावत को मनोनीत किया गया। नव मनोनीत अध्यक्ष पवन कुमावत ने कहा कि टारगेट बाल खेल को जिले के हर गांव, ढाणी तक पहुंचाने के लिए संभव प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि यह खेल युवाओं में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है तथा खेल जगत में उनके उज्जवल भविष्य के लिए अपार संभावनाएं प्रदान करता है। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए टारगेट बाल खेल नितांत आवश्यक है।

मानव जन जागृति संस्थान द्वारा 8 मार्च अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर होगा महिला सशक्तिकरण का कार्यक्रम

प्रेम देवी पूर्व सरपंच चोप को सर्व समिति से बनाया कार्यक्रम संयोजक

जयपुर टाईम्स

चौमूं(निसं.)। शहर के एक निजी होटल में रविवार को मानव जन जागृति संस्थान के तत्वावधान में कार्यकर्ता स्नेह में मिलन समारोह के मुख्य अतिथि सेवानिवृत सीआरपीएफ कमांडेड कजोड़ मल बुनकर थे। मुख्य वक्ता के तौर पर कॉलेज प्राचार्य डॉ. कैलाश चंद मोरदिया रहे एवं अध्यक्षता प्रधानाचार्य अशोक बबेरवाल ने किया। संस्थान के प्रदेश अध्यक्ष सौदागर कांदेला ने बताया कि आगामी 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर चौमूं में एक विशेष महिला सशक्तिकरण को लेकर कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिसमें सामाजिक राजकीय सेवा में कार्यरत एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाली आत्मनिर्भर महिलाओं का विशेष सम्मान किया जाएगा। कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए सर्व समिति से प्रेम देवी पूर्व सरपंच चौप को संयोजक बनाया गया। साथ ही संस्थान द्वारा श्री डूंगरगढ़ में सर्व समाज की जरूरतमंद महिलाओं को वितरण की जाने वाले सिलाई मशीन वितरण कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए तैयारी को अंतिम रूप दिया गया। इस मौके पर मुख्य वक्ता डॉ. मोरदिया ने कहा कि सामाजिक समानता के लिए सर्व समाज की जरूरतमंद महिलाओं को सिलाई मशीन के माध्यम से रोजगार से जोड़ना निश्चित तौर पर संस्थान द्वारा आर्थिक आजादी की ओर कदम बढ़ रहा है। मुख्य अतिथि कजोड़ मल बुनकर करने कहा कि हम सबको मिलकर सामाजिक उत्थान के लिए सामूहिक प्रयास निरंतर जारी रखना चाहिए जिससे सामाजिक जरूरतमंदों को संबल प्रदान हो। अध्यक्षता कर रहे अशोक बबेरवाल ने कहा कि संस्थान का प्रत्येक कार्यकर्ता पूरी जिम्मेदारी के साथ अपना कार्य कर रहा है जिस से संस्थान दिनों दिन प्रगति कर रहा है हम सबको इसी एक भावना के साथ सामाजिक क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्ट कार्य करते रहने हैं मंच संचालन प्रदेश प्रवक्ता कालूराम बुनकर ने किया। इस दौरान गोपाल लाल बुनकर, मुकेश जिंदल, घनश्याम कांदेल, गजानंद परिहार, नेमीचंद पवार, हरिनारायण लाखीवाल, पूर्व सरपंच प्रेम देवी बुनकर, सुमन लता, सुरेश कुमार मेहरिया, गोपालचंद सोंगण, बाबूलाल बुनकर, गुल्लाराम खरकडिया, बाबूलाल नारनोलिया, सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया, गुरूचरण कांदेला, कजोड़मल तडदिया, शंकरलाल मुहाणिया, प्रहलाद राय जाटावत, अशोक कुमार जोया, कमलेश शर्मा, मुकेश कुमार बुनकर, सियाराम बुनकर, राजेश सोंगण, गोपाल देवठिया, विशाल कांदेला सहित इत्यादि मौजूद थे।

स्कूल में वार्षिकोत्सव व प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया

जयपुर टाईम्स

चाकसू(निसं.)। चाकसू नेशनल हाईवे 2 कोटखावदा पुलिया के साथ जीवीएम सीनियर सेकेंडरी स्कूल में वार्षिकोत्सव व प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। गोस्वामी विद्या मंदिर शिक्षा समिति के अध्यक्ष गोपाल लाल गोस्वामी व मुख्य अतिथि पूर्व कृषि मंडी चेयरमैन कैलाश शर्मा ने दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुवात की गई। कार्यकम में मिड ब्रेन एक्टिविटी, सांस्कृतिक कार्यक्रम के विभिन्न आयोजन हुए। संस्था के डायरेक्टर आशीष गोस्वामी ने बताया कि जीवीएम स्कूल के छात्र आदित्य शर्मा का गवर्मेंट स्टेट मेडिकल कॉलेज ललितपुर में चयन, व दूसरे छात्र विशाल चौधरी ने आई आई परीक्षा में 98 प्रतिशत अंक लाकर संस्था को गौरवान्वित कर चाकसू का नाम रोशन किया है दोनों विद्यार्थियों व उनके माता पिता का मोमेंटो साफ पहनाकर मुख्य अतिथि पूर्व कृषि मंडी चेयरमैन व भाजपा वरिष्ठ नेता कैलाश शर्मा व गोस्वामी शिक्षा समिति के अध्यक्ष गोपाल लाल गोस्वामी द्वारा सम्मान किया गया। वहीं आए हुए अतिथियों द्वारा 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 15 विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। कार्यकम में पूर्व सीबीईओ हनुमान सहाय मीणा,नोडल अधिकारी रामलाल मीणा, भाजपा नेता अंबालाल यादव, गोपीनाथ सेवा समिति के अध्यक्ष दिनेश शर्मा, मंत्री रामप्रकाश शर्मा , पूर्व प्रधान पिंकी मीणा, वेल्फेयर सोसायटी अध्यक्ष श्रवण फागणा मौजूद रहे मुख्य अतिथि कैलाश शर्मा ने बताया कि जीवीएम स्कूल पिछले कई सालों से लगातार शानदार परीक्षा परिणाम देता आया है जीवीएम स्कूल के विद्यार्थी आज कई राजकीय सेवाओं में कार्यरत है जो स्कूल व चाकसू क्षेत्र का नाम रोशन कर रहे है कार्यक्रम में 75 प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण किए गए। कार्यक्रम में कविता गोस्वामी,आशा गोस्वामी,किरण कंवर,पूजा शर्मा,शीबा पठान,महेंद्र शर्मा,बनवारी शर्मा,बुधराम लूणीवाल, महेश सैनी,इमरान खान,चंद्रप्रकाश शर्मा, विनोद कुमावत,आदि स्टाफ मौजूद रहा।

स्वस्थ भारत की राह पर चलती आशा की किरण

जयपुर टाइम्स

चौमूं(निस)। राजधानी के सीकर रोड स्थित भट्टों की गली में रविवार को स्वास्थ्य अभियान के तहत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जंहा सैकड़ों लोगों ने शिविर में भाग लेते हुए चिकित्सा लाभ लिया। मिली जानकारी के अनुसार स्वस्थ भारत की सोच रखते हुए आशा की किरण संस्था ने भट्टों की गली में निशुल्क इलेक्ट्रोपेथी चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। जंहा लगभग 368 ग्रामीणों ने शिविर का लाभ उठाया।वहीं आशा की किरण संस्था के फाउंडर सोहन जाट ने बताया कि राजस्थान स्वास्थ्य सेवा अभियान के तहत भामाशाहों के सहयोग से इस शिविर का आयोजन किया गया है। जिसमें आमेर विधायक प्रशांत शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर शिविर का शुभारंभ किया है।

धार्मिक आयोजन को लेकर निकाली कलश यात्रा

जयपुर टाइम्स

बीदासर(निस)। महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में धोरां की ढाणी की स्थित गोरखधूणा के संत रेवतीरमण आश्रम में रूद्र महायज्ञ समिति के सहयोग से 11 दिवसीय धार्मिक आयोजन का शुभारंभ रविवार को कलश यात्रा के साथ शुरू हुआ। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल हुई। कस्बे के मुख्य मार्गों से होकर गुजरी कलश यात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया तथा गाजे-बाजे के साथ विभिन्न देवी-देवताओं की झांकियां भी सजाई गई। गोरखधूणा पहुंचकर यात्रा का समापन हुआ। शिक्षक घनश्यामलाल शर्मा ने बताया कि 11 दिवसीय धार्मिक आयोजन के तहत सोमवार को रूद्र महायज्ञ के लिए अग्नि स्थापना की जाएगी। आचार्य चन्द्रशेखर दाधीच के सानिध्य में 21 पंडित यज्ञ करवाएंगे और 84 जोड़े यज्ञ में आहुतियां देंगे। अनुष्ठान प्रतिदिन सुबह 10 से 12 व दोपहर में तीन से शाम पांच बजे तक चलेगा। इस दौरान मंदिर परिसर में भागवत कथा व शिवपुराण कथा का वाचन भी होगा, जिसका वाचन पंडित नोरतमल शर्मा व हनुमानमल शर्मा की ओर से किया जाएगा।

शिक्षा का मुख्य उद्देश्य बालक का सर्वांगीण करना: राठौड़

प्रिंस स्कूल के वार्षिकोत्सव में विद्यार्थियों ने दी रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। स्थानीय पूनिया कॉलोनी स्थित प्रिंस स्कूल का वार्षिकोत्सव रविवार को राजगढ़ रोड़ स्थित विद्यालय के खेल मैदान में समारोह पूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीडीईओ गोविंद सिंह राठौड़ रहें। वहीं कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि पूर्व सभापति गोविंद महनसरिया, सदर थाना के थानाधिकारी बलवंत सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता आषाराम सैनी, पूर्व डीएसपी वाहिद अली खान, पूर्व प्रोफेसर संतलाल, पूर्व सरपंच हरफूल सिंह आर्य, समाजसेवी राजपाल दईया व ए.यू. मिर्जा रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था निदेशक प्रताप सिंह सिहाग ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ आगंतुक अतिथियों ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर विद्यालय के संरक्षक इंजी. नवीन सिहाग व पुष्पा चौधरी ने आगंतुक अतिथियों का माल्यार्पण कर व पुष्प गुच्छ प्रदान कर स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीडीईओ गोविंद सिंह राठौड़ ने कहा कि शिक्षा का मुख्य उद्देश्य बालकों का सर्वांगीण विकास करना है और बालक की प्रथम पाठशाला उसकी मां होती है। राठौड़ ने कहा कि मां जिस प्रकार बच्चों को एक सांचे में ढ़ालती है। बालक उसी अनूरूप प्रगति की ओर अग्रसर होता है। इस दौरान विद्यालय के विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुति देकर उपस्थित स्त्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य नेमीचन्द पटीर, अमित चाहर, विकास जागिड़, सुधीर तंवर, हेमंत चौधरी सहित बड़ी संख्या में विद्यालय स्टॉफ, अभिभावक व छात्र छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सुरेन्द्र शर्मा ने किया।

चूरू महोत्सव में विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए रजिस्ट्रेशन लिंक जारी

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशन में जिला मुख्यालय पर 22 से 24 फरवरी तक आयोजित किए जा रहे चूरू महोत्सव - 2025 में आयोजित की जाने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं में भागीदारी लेने के लिए रजिस्ट्रेशन लिंक जारी किया गया है। चूरू नगरपरिषद आयुक्त अभिलाषा सिंह ने बताया कि इच्छुक प्रतिभागी लिंक पर क्लिक कर विभिन्न प्रतियोगिताओं में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर सकते हैं। उन्होंने आमजन से अधिकाधिक सहभागिता की अपील की है।

प्रतिभावान विद्यार्थियों का किया सम्मान

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। राजकीय उच्च माध्यमिक रामसरा (चूरू) मे वार्षिकोत्सव व प्रतिभा सम्मान समारोह धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था प्रधान मधु कंवल ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कमल रामसरा (सरपंच - ग्राम पंचायत खांसोली) की ओर से कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र समक्ष दीप प्रज्वलित किया गया। कार्यक्रम मे विधार्थियो ने मायरा, चंग, पंजाबी व राजस्थानी आदि सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। कार्यकम में रामेश्वर प्रजापति, पप्पू सिंह चौहान, श्योराम जांगिड, नागरमल, रामलाल, सैकड़ों की संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर सत्र 2023 -24 की प्रतिभाओ को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन सलेमुद्दीन खान ने किया।

रेल हादसे और भगदड़ के लिए रेल मंत्री दे त्याग पत्र- न्यौल

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। अखिल राजस्थान किसान मजदूर कर्मचारी संयुक्त महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष व कांग्रेस जिलाउपाध्यक्ष किसान नेता आदूराम न्यौल ने कहा कि आए दिन रेल हादसा भगदड़, भीड़, अव्यवस्था के लिए रेल मंत्री स्वयं जिम्मेदार है। उन्हें नैतिकता के नाते अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। किसान नेता न्यौल ने यहां बताया कि 13 फरवरी से प्रगराज में महाकुंभ चल रहा है। इसके चलते देश के चारों कोनो से रेलमार्ग, सड़कों के रास्ते से भरी जनसैलाब उमड़ रहा है। इसे भीड़ के लिए रेल प्रशासन के पास प्रयाप्त संसाधन उपलब्ध नहीं हैं। जीआरपी, सीआरपीएफ, पुलिस प्रशासन का भीड़ पर कोई अंकुश नहीं है। न्यौल ने कहा कि जनता के आने का आंकलन इंटेलिजेंस, टेक्नोलॉजी या अन्य स्रोतों से भीड़ का आंकलन नहीं कर पाना दुर्भाग्य पूर्ण है। प्रधानमंत्री आए दिन विदेशों में जाकर अपना वर्चस्व कायम करने की होड में लगे हुए है, जबकि इस पुण्य स्थल पर दो बार की दुर्भाग्यपूर्ण भगदड़ में अनेक लोगों के मारे जाने और प्रशासन के विफल होने पर भी प्रधानमंत्री की ओर से कोई जिम्मेदारीपूर्ण कर्तव्य का वहन नहीं किया गया। न्यौल ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से तुरंत त्याग पत्र देने को मांग की है। ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने वालों में हरिराम पूनिया, रामेश्वर नायक, इंद्रचंद माली, श्रवण बसेर, किशनाराम बाबल, शेराराम रोलन, राजूराम श्योल्ड़ा उपस्थित रहे। सभी ने अविलंब मंत्री के इस्तीफे की मांग की।

निशुल्क एक्युप्रेशर व होम्योपैथी चिकित्सा शिविर आयोजित

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। पत्रकार संघ, जमनादेवी व सुखीदेवी सारस्वत की स्मृति में निशुल्क एक्युप्रेशर व होम्योपैथी चिकित्सा शिविर का शुभारंभ रविवार को किया गया। रतनगढ़ जैन परिषद भवन में आयोजित शिविर के उदघाटन समारोह को दादूद्वारा के महंत देवादास महाराज, बाबा विश्वनाथ आश्रम के महंत शुकनाथ व हांडिया बाबा बगीची के महंत गंगानाथ महाराज ने अपना सानिध्य प्रदान किया। पत्रकार संघ के अध्यक्ष नवरतन प्रजापत की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व विधायक अभिनेष महर्षि, पालिकाध्यक्ष अर्चना सारस्वत, पूर्व पालिकाध्यक्ष संतोष कुमार इंदौरिया व राजस्थान रोडवेज की उपप्रबंधक अनुपमा सारस्वत मंचस्थ अतिथि थी। दीप प्रज्वलन से शुरू हुए कार्यक्रम में संघ के संरक्षक प्रदीप लढ़ा व सुबोध सारस्वत ने कार्यक्रम की रूपारेखा की जानकारी देते हुए आगंतुक अतिथियों का शाब्दिक स्वागत किया। ओमप्रकाश सारस्वत के सौजन्य से हुए कार्यक्रम में संत देवादास महाराज ने इसे अनुकरणीय कार्य बताते हुए कहा कि मानव सेवा ही सच्ची सेवा है। पूर्व विधायक अभिनषेक महर्षि ने कहा कि जीवन में धैर्य बहुत जरूरी है। एक्यूप्रेशर व होम्योपैथी दवा तुरंत असर नहीं करती, लेकिन इनके लंबे उपचार से ये रोगों को जड़ से खत्म कर देती है। पालिकाध्यक्ष अर्चना सारस्वत ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए क्षेत्र में कृषि उपज मंडी स्वीकृत करवाने का ध्यान उपस्थित लोगों का आकर्षित करवाते हुए कहा कि हम सबको मिलकर इस दिशा में काम करना चाहिए, तभी क्षेत्र का विकास संभव हो पाएगा। पूर्व पालिकाध्यक्ष संतोष कुमार इंदौरिया ने आयोजन समिति को इस पुनीत कार्य के लिए साधुवाद दिया। किशन सराफ के गीता श्लोक से शुरू हुए कार्यक्रम को अनुपमा सारस्वत ने भी संबोधित किया। संघ के अध्यक्ष नवरतन प्रजापत ने आगंतुकों का आभार प्रकट किया। शिविर में एक्युप्रेशर विशेषज्ञ सीताराम व होम्योपैथी चिकित्सक पुरूषोत्तमलाल शर्मा अपनी सेवाएं दी। प्रथम दिन 68 रोगी शिविर से लाभांवित हुए। शिविर के उदघाटन समारोह के पश्चात विधायक पूसाराम गोदारा ने भी शिविर का अवलोकन किया और आयोजन समिति को पुनीत कार्य के लिए साधुवाद दिया। इस अवसर पर गौतम महर्षि, पूर्व प्रधान अर्जुनसिंह फ्रांसा, संतोष तालणिया, सुरेश मुरारका, राजकुमार मुरारका, एडवोकेट सांवरमल चमड़िया, पवन जोशी, मनोज सारस्वत, डॉ हुणताराम मीणा, मोतीलाल तातेड़, दिनेशकुमार सारस्वत, राजेंद्र बैद, मांगीलाल स्वामी, डालचंद सिपाणी, तेजकरण सिपाणी, अजय शेरिया, शंकरलाल सारस्वत, रेखा पारीक, संतोष सारस्वत, हेमलता स्वामी, नारायणीदेवी सहित कई लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन कुलदीप व्यास ने किया।

शपथ पत्र

मैं तरूण कुमार पूत्र सम्पतमल धाड़ेवा निवासी वार्ड 27 सरदारशहर का रहने वाला हूं जो शपथ पूर्वक बयान करता हूं कि मेरे पिता सम्पतमल धाड़ेवा का स्वर्गवास हो गया अब वारिसान पत्नी जयकंवर, पूत्र तरूण कुमार, अरूण कुमार, वरूण कुमार, जितेंद्र धाड़ेवा के अलावा मेरे पिता स्व. सम्पतमल धाड़ेवा के अन्य कोई वारिसान नहीं है। अगर अन्य कोई वारिसान पाया जाता है तो उसकी समस्त कानूनी जिम्मेदारी मेरी स्वयं की होगी।

तरूण कुमार पूत्र सम्पतमल धाड़ेवा
वार्ड 27 सरदारशहर चूरू
राजस्थान

डिजीटल सखी नवाचार व महिला सशक्तीकरण प्रोजेक्ट के लिए चूरू ज़िले को स्कॉच अवार्ड

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा की महत्वाकांक्षी संकल्पना डिजीटल सखी नवाचार व महिला सशक्तीकरण प्रोजेक्ट के लिए शनिवार को सिल्वर ओक हॉल, इंडिया हैबिटेट सेंटर, लोदी रोड़, नई दिल्ली में आयोजित 100 वें स्कॉच सम्मिट में जिले को स्कॉच अवार्ड-2024 प्रदान किया गया। राजीविका डीपीएम दुर्गा ढाका ने जिला प्रशासन के प्रतिनिधि के रूप में अवार्ड प्राप्त किया। स्कॉच के चैयरमैन समीर कोचर ने राजीविका डीपीएम को अवार्ड प्रदान किया। डीपीएम दुर्गा ढाका ने बताया कि जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के नवाचार डिजीटल सखी कार्यक्रम व महिला सशक्तीकरण प्रोजेक्ट को स्कॉच अवार्ड-2024 के लिए शॉटलिस्ट किया गया।

जिला कलक्टर ने राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा को लेकर अधिकारियों को दिए निर्देश

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने आदेश जारी कर चूरू जिला मुख्यालय व रतनगढ़ उपखंड मुख्यालय पर कुल 47 परीक्षा केन्द्रों पर 27 व 28 फरवरी को माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर की ओर से आयोजित की जाने वाली राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा - 2024 की पारदर्शिता व सुचारू संचालन के लिए अधिकारियों को दायित्व सौंपते हुए समुचित निर्देश दिए हैं। जारी आदेशानुसार पुलिस विभाग, संबंधित उपखंड अधिकारियों, जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) मुख्यालय चूरू, सभी केन्द्राधीक्षकों, जिला परिवहन अधिकारी, राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम लिमिटेड चूरू व सरदारशहर आगार प्रबंधक सहित अन्य अधिकारियों को समुचित निर्देश दिए गए हैं। गौरतलब है कि पात्रता परीक्षा 27 फरवरी को लेवल - 1 सवेरे 10 बजे से दोपहर 12.30 बजे व लेवल - 2 दोपहर 3 बजे से सांय 5.30 बजे कुल दो पारियों में और 28 फरवरी को लेवल - 2 सवेरे 10 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक कुल 1 पारी में आयोजित की जाएगी।

शिव जयंती का कार्यक्रम हर्षोल्लास से मनाया

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्थानीय लुहारा गाडा स्थित ब्रह्मा कुमारीज सेवा केंद्र पर 89 वां शिवजयंती कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। केंद्र प्रभारी बीके सुप्रभा ने उपस्थित सभा को संबोधित करते हुए परमात्मा शिव और शंकर के महान अंतर को स्पष्ट किया और कहा कि हमें शंकर के समान तपस्या करके अपने जीवन से बुराइयों का नाश करना चाहिए। शिवरात्रि के आध्यात्मिक रहस्य को सभी के सामने उजागर किया और कहाँ कि अभी वही रात्रि का समय चल रहा हैं जो शास्त्रो में वर्णन किया गया है। इस रात्रि के बाद श्रीकृष्ण का भारत भूमि पर जन्म होने वाला है और यह भारत स्वर्ग बनने वाला है। मुख्य अतिथि सुभाष बेदी ने भी शुभकामनाएं दी और कहा नैतिक मूल्य को हमें जीवन में धारण करना है और हर एक व्यक्ति अपने कार्य को अपनी जिम्मेदारी समझ कर करे, तो यह समाज यह देश स्वर्ग बन जाएगा। उन्होंने ब्रह्मा कुमारीज की ओर से किए जा रहे समाज कल्याण कार्य की सराहना की। कार्यक्रम में बीके सुप्रभा, गणेश मल सोमानी, रामाकिशन जांगिड़, बाबूलाल जोशी, राजकुमार प्रजापत, अवतार सिंह, लक्ष्मी नारायण सोनी आदि ने परमात्मा शिव का झंडारोहण कर झंडे के नीचे प्रतिज्ञा की। बीके शिल्पा, बी के देविका ने सभी को आत्म स्मृति का तिलक लगाया।

बेहतरीन कैरियर के लिए स्मार्ट स्टडी पर फोकस करें: सुराणा

जिला कलक्टर ने तारानगर टैगोर कैरियर इंस्टीट्यूट का किया उदघाटन

जयपुर टाइम्स

चूरू/ तारानगर (निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने रविवार को जिले के तारानगर उपखंड मुख्यालय पर टैगोर कैरियर इंस्टिट्यूट का उद्घाटन किया। इस अवसर पर जिला कलक्टर सुराणा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बेहतरीन कैरियर के लिए स्मार्ट स्टडी पर फोकस करें। प्रामाणिक किताबों को वरीयता दें। नियमित रूप से अखबार, जर्नल्स व पत्रिकाएं पढ़ें और समसामयिकी से जुड़े रहें। उन्होंने विद्यार्थियों को स्ट्रेस मैनेजमेंट, टाइम मैनेजमेंट, अध्ययन सामग्री सहित कैरियर से जुड़े विभिन्न बिंदुओं के बारे में जानकारी दी। संचालक कृष्ण कुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए इंस्टीट्यूट की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी दी। इस दौरान तारानगर एसडीएम राजेंद्र कुमार, तहसीलदार शुभम शर्मा, सीबीईओ सुमन जाखड़ सहित अधिकारी व विद्यार्थी मौजूद रहे।

मीडिया के सहयोग से चूरू महोत्सव का हो सफल आयोजन

तीन दिवसीय चूरू महोत्सव में आयोजित होंगी विभिन्न गतिविधियां

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशन में जिला मुख्यालय स्थित पुलिस लाइन मैदान में 22 से 24 फरवरी तक चूरू महोत्सव - 2025 का आयोजन किया जाएगा। चूरू महोत्सव - 2025 के तीन दिवसीय आयोजन में विभिन्न सांस्कृतिक व साहित्यिक गतिविधियां व प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी। यह जानकारी कार्यक्रम प्रभारी एडीएम अर्पिता सोनी ने रविवार को चूरू नगर परिषद कार्यालय के सभागार कक्ष में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए दी। उन्होंने कहा कि मीडिया के सहयोग से चूरू महोत्सव- 2025 का सफल आयोजन हो। प्रशासन व मीडिया के समन्वय से हमारी संस्कृति व सांस्कृतिक परंपराओं को सहेजें। आमजन की लोकरंग के इस महोत्सव में अधिकतम भागीदारी हो तथा सभी के आपसी समन्वय से एक बेहतरीन आयोजन हो। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन की ओर से पूर्व महोत्सव के आयोजन को लेकर

अधिकारियों को दायित्व सौंपे गए हैं और समुचित दिशा- निर्देश दिए गए हैं। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा सहित समस्त अधिकारियों की ओर से तैयारियों की मॉनीटरिंग की जा रही है व समयबद्ध ढंग से तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी मिलकर चूरू महोत्सव को जिले के लिए पर्व के रूप में मनाएं और अपनी सक्रिय भागीदारी के साथ एक अमिट छाप छोड़ें। उन्होंने सभी जिले वासियों से महोत्सव में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए सम्मिलित होने की अपील की है। इस अवसर पर चूरू नगर परिषद आयुक्त अभिलाषा सिंह ने आयोजन से जुड़ी विविध गतिविधियों की जानकारी दी।

विभिन्न गतिविधियां आयोजित होंगी

एडीएम सोनी ने बताया कि चूरू महोत्सव के तीन दिवसीय आयोजन में विभिन्न सांस्कृतिक एवं साहित्यिक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। महोत्सव के पहले दिन 22 फरवरी को सवेरे 7.15 बजे चूरू गढ़ परिसर से विरासत कार्निवल यात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद सवेरे 10.30 बजे से पारंपरिक परिधान मिस्टर/ मिस/ मिसेज चूरू, रस्सा -कस्सी प्रतियोगिता, आर्ट गैलरी, संगीत व नृत्य प्रतियोगिता, क्राफ्ट व फूड बाजार, राजीविका व महिला सशक्तीकरण चर्चा सत्र, पेंटिंग /रंगोली कार्यशाला आदि विभिन्न प्रतियोगिताएं और सांय 6.15 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम में पद्मश्री गुलाबो सपेरा की नृत्य प्रस्तुति, प्रसिद्ध कोरियोग्राफर संतोष नायर निर्देशित वायब्रेंट इंडिया नृत्य प्रस्तुति, बॉलीवुड पार्श्व गायक रविन्द्र उपाध्याय, कोक स्टुडियो फेम भंवरी देवी आदि प्रस्तुतियां देंगे। इसी क्रम में 23 फरवरी को सवेरे 10.30 बजे से यूथ व स्टार्टअप विशेष चर्चा सत्र, प्रवासी सम्मान - गौरवश्री अवार्ड, राजीविका एवं महिला सशक्तीकरण चर्चा सत्र, किड्स प्रतियोगिता, हैकाथॉन, क्राफ्ट व फूड बाजार व विविध प्रतियोगिताएं और सांय 6.15 बजे से 4 बार के ग्रैमी अवार्ड विजेता रिकी केज का लाइव इन म्यूजिक कॉन्सर्ट, जिक्र द बैंड 'बॉलीवुड सूफी रॉक बैंड' से सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। उन्होंने बताया कि महोत्सव के तीसरे दिन 24 फरवरी को सवेरे 10.30 बजे से साहित्यिक उत्सव विशेष चर्चा सत्र, प्रवासी सम्मान- गौरव श्री अवार्ड, लेखक से मिलिए, क्राफ्ट व फूड बाजार, पेंटिंग कार्यशाला तथा सांय 6.15 बजे से प्रसिद्ध रंगकर्मी अतुल सत्य कौशिक की ओर से लाइव थिएटर व कवि सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। कवि सम्मेलन में लोकेश कुमार 'साहिल', अरूण जैमिनी, अमन अक्षर, जुबैर अली तबिश, विवेक पारीक, इति शिवहरे सहित साहित्यकार प्रस्तुतियां देंगे।

प्राणिशास्त्र विषय पर राज्यस्तरीय तकनीकी प्रशिक्षण का समापन

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा जयपुर से प्राप्त निर्देशानुसार आज राजकीय लोहिया महाविद्यालय में नवनियुक्त प्रयोगशाला सहायकों के लिए प्राणी शास्त्र विषय का एक दिवसीय राज्य स्तरीय तकनीकी प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण का आयोजन महाविद्यालय के प्राणी शास्त्री विभाग, प्राणिशास्त्र परिषद के अतिरिक्त आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। प्रशिक्षण की संयोजक और जूलॉजी की विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर मधु चौधरी ने बताया कि इस प्रशिक्षण में बीकानेर संभाग के महाविद्यालयों से आए 28 प्रतिभागियों ने भाग लिया। उद्घाटन सत्र में बोलते हुए प्राचार्य प्रोफेसर मंजू शर्मा ने प्रतिभागियों का महाविद्यालय की ओर से स्वागत किया और पूरे प्रशिक्षण के दौरान साजिक रहकर प्रशिक्षण प्राप्त करने की सलाह दी। आयुक्तालय जयपुर से प्रो रुचि मिश्रा ने ऑनलाइन जुड़कर प्रतिभागियों को बेहतर तकनीके सीखने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रथम सत्र में विभाग के रिटायर्ड प्रोफेसर डॉ के सी सोनी ने जूलॉजी म्यूजियम में जंतु

शरीर और अस्थियों को परिरक्षित करने की अद्यतन विधियों के बारे में जानकारी दी। सेवानिवृत्त वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक श्री विजय कुमार वर्मा ने प्रतिभागियों को लैब रिकॉर्ड्स को मेंटेन करने, फाइलिंग करने व अन्य नियमों की विस्तृत जानकारी दी। लंच के बाद प्रोफेसर मधु चौधरी की ओर से कीट परिरक्षण, प्रोफेसर बी एल मेहरा की ओर से जंतु कार्यिकी से संबंधित प्रयोग व शांतनु डाबी की ओर से लैब और म्यूजियम के डिजिटाइजेशन से संबंधित जानकारियां साझा की। अंतिम सत्र में समस्त प्रतियोगियों ने प्राणी शास्त्री विभाग की सभी लैब, म्यूजियम और इंस्ट्रूमेंट रूम आदि का अवलोकन कर अन्य संबंधी जानकारियां जुटाई। कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। मंच संचालन विभाग के शांतनु डाबी ने किया । कार्यक्रम के दौरान एमएससी के विद्यार्थियों के अतिरिक्त रिसर्च स्कॉलर्स ने कार्य व्यवस्था में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

80 दिव्यांगों ने करवाया रजिस्ट्रेशन, 41 दिव्यांगों के लगाया कृत्रिम हाथ

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के महात्मा ज्योतिबा फूले भवन ताल मैदान में रोटरी क्लब सरदारशहर व रोटरी क्लब मेजेस्टी के संयुक्त तत्वावधान में कृत्रिम हाथ वितरित शिविर का भव्य आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ थानाधिकारी मदनलाल बिश्नोई, नायब तहसीलदार प्रहलादराय पारीक, भामाशाह धर्मेन्द्र पूनियां ने फीता काटकर किया। शिविर में 80 दिव्यांगों ने रजिस्ट्रेशन करवाया। जिसमें 41 योग्य दिव्यांग व्यक्तियों के कृत्रिम हाथ लगवाएं गए। जयपुर से सीए शान्ति लाल गंगवाल व रोटरी मेजेस्टी जयपुर की टीम की देखरेख में कृत्रिम हाथ लगाया गया। शिविर संयोजक डॉ अशोक गुप्ता ने बताया कि सरदारशहर में यह पहला कृत्रिम हाथ शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर सह संयोजक राजकुमार तिवाड़ी ने बताया कि यह बहु उपयोगी शिविर दिव्यांग के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएगा। अध्यक्ष संजय सैनी ने स्वागत व आभार व्यक्त किया। अतिथियों को स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया। शिविर में मुकेश सैनी, सुरेन्द्र जैसनसरिया, विकास लखोटिया, श्याम सुंदर, राजीव भोजक, अंजनी भाट, संजय कम्मा, राजकुमार खटोड़, गणेश जैसनसरिया आदि ने शिविर में अपनी सेवाएं दी। सचिव विश्वेंद्र सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालक राजकुमार तिवाड़ी ने किया।

रामचरितमानस के अनुसरण का बताया महत्व, कथा में उमड़ा श्रद्धा का जनसैलाब

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निसं.)। शहर के ताल मैदान में चल रही श्रीराम कथा के दूसरे दिन कथावाचक शंकर दास जी महाराज ने रामचरित मानस सुनने और इसमें बताए मार्ग का अनुसरण करने का महत्व बताया। कथावाचक ने कहा कि जीवन के हर संशय का समाधान श्रीराम कथा करती है। रामचरित मानस में नौ दिन में नौ प्रश्न हैं। निर्गुण ब्रह्म सगुण कैसे हो गया, राम जन्म का कारण क्या है। प्रभु के बाल्यकाल की लीला, विवाह लीला, वनगमन लीला और राक्षसों के मारने का प्रयोजन, अयोध्या में रामराज्य अभिषेक और संतों का चरित्र। इन्हीं प्रश्नों के उत्तर नौ दिन में दिए जाते हैं। कथावाचक शंकर दास जी महाराज ने कहा कि भक्त के हृदय में भगवान आए तो

आंसू आए बिना रह नहीं सकते। भगवान का स्मरण करते रहिए। हमारे हृदय में विकारों का जो खारा जल भरा है बाहर निकलना चाहिए। कथावाचक शंकर दास जी महाराज ने कहा कि माता सती ने अभिमान वश कूंभज ऋषि से श्री राम की कथा को नहीं सुना और श्रीराम पर संदेह किया। इसके बाद माता सती बिना बुलाए अपने पिता के यज्ञ में गई। भगवान शंकर का और अपना अपमान सहन नहीं कर सकी। योग अग्नि के द्वारा अपने शरीर को जलाकर भस्म कर दिया। लेकिन माता सती ने दोबारा जन्म लिया और जिसके बाद हर-गौरी का विवाह आनंद पूर्वक संपन्न हुआ। ब्रह्मा ने वेदोक्त रीति से विवाह करवाया। इस अवसर पर दिपू जैसनसरिया, अजय पारीक, पूनमचंद राजपूत, देवकिशन सुथार, खेतुलाल डागा, विनोद जैसनसरिया, तेजपाल चौधरी, कुंभाराम जोशी, सुभाषचंद्र भामा, सत्यनारायण भामा, मांगीलाल शर्मा, मुकेश जैसनसरिया, बनवारीलाल नाई, रामलाल सोनी, भगत जी मीतासर, गिरधारीलाल पारीक, जेठाराम सुथार, सोहन पारीक, पवन सुथार, बाबूलाल प्रजापत, पूर्णदास स्वामी, पृथ्वीसिंह राजवी, रणजीतसिंह, राजूराम ईसवाल, किशनसिंह राजावत, हरलाल, पंचायत समिति प्रधान प्रतिनिधि मधुसूदन राजपुरोहित, मोहनलाल मिषण, मीनालाल माली, बाबूलाल माली सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

डॉ. अमृता को आज मिलेगा एफएमसी अवार्ड

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। कपड़ा और परिधान के लिए 8 वां एफएमसी पुरस्कार कार्यक्रम का आयोजन ऑडिटोरियम 1 भारत मंडपम, नई दिल्ली में किया जा रहा है। 17 फरवरी को आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में पूरे भारत देश में 16 लोगों को पुरस्कृत किया जाएगा। जिसमें सुजानगढ़ से दिशा शेखावाटी महिला व बालिका विकास संस्थान की सचिव डॉ. अमृता चौधरी को भी सम्मानित किया जाएगा। दिशा शेखावाटी संस्थान ने देश-विदेश में कपड़े पर शीबोरी और बंधनी के काम के माध्यम से अपनी एक अलग पहचान बनाई है। दिशा शेखावाटी संस्थान महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक उन्नयन के लिए पिछले काफी सालों से काम कर रही है। टेक्सटाइल सेक्टर में एफएमसी की ओर से अवार्ड संस्थान की सचिव डॉ. अमृता चौधरी को यह अवार्ड कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह की ओर से प्रदान किया जाएगा।

बच्चों को घर जैसी सुविधाएं मिलने से होगा संपूर्ण शारीरिक व मानसिक विकासः सहारण

चूरू में 'फुलवारी' बनेगी बच्चों के लिए सुविधाओं की बाड़ी

विधायक व कलक्टर ने किया डे केयर सेंटर 'फुलवारी' का उदघाटन

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। विधायक हरलाल सहारण व जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने रविवार को जिला मुख्यालय पर डे केयर सेंटर 'फुलवारी' का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि डे केयर सेंटर पर 6 साल तक के बच्चों को घर जैसी सुविधाएं और देखभाल मिलेगी। आज के भौतिक व कामकाजी युग में समय का अभाव है और आपाधापी भरे जीवन में बच्चों की समुचित देखभाल नहीं हो पाती है। इसलिए जिला प्रशासन का यह नवाचार इस दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। बच्चों

को घर जैसी सुविधाएं मिलने से उनका संपूर्ण शारीरिक में मानसिक विकास होगा और स्वस्थ, तंदुरुस्त व विकसित पीढ़ी का निर्माण होगा। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा कि जिला प्रशासन का प्रयास है कि बच्चों को प्राथमिक स्तर पर ही बेहतरीन शिक्षा व केयर मिले। इस दिशा में डे केयर सेंटर शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि बड़े-बड़े मेट्रो सिटीज में बच्चों की देखभाल के लिए डे केयर सेंटर संचालित किए जाते हैं। चूरू व शेखावाटी क्षेत्र भी कामकाज के क्षेत्र में तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। जिला प्रशासन का प्रयास है कि बच्चों को प्राथमिक स्तर पर ही बेहतर देखभाल व परवरिश मिले और आने वाली पीढ़ी स्वस्थ, तंदुरुस्त व विकसित हो। इस दिशा में बच्चों को समुचित देखभाल व परवरिश के लिए डे केयर सेंटर खोला गया है। इससे बच्चों को घर जैसी सुविधाएं मिलेंगी और उनके संपूर्ण व्यक्तित्व का विकास होगा। उन्होंने कहा कि आमजन इसमें संपूर्ण सहयोग करें। डे केयर सेंटर में सुविधाओं के विस्तार और संसाधनगत विकास पर फोकस किया जा रहा है। उन्होंने जिले में चलाए जा रहे बढ़ता बचपन कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। आईसीडीएस उपनिदेशक डॉ नरेंद्र शेखावत ने अतिथियों का स्वागत करते हुए व्यवस्थाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि डे केयर सेंटर पर सशुल्क सुविधाएं दी जाएंगी। सेंटर पर बच्चों के लिए स्लीपिंग एरिया, टॉयज व प्ले एरिया, सीसीटीवी, भोजन, फल आदि सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। सेंटर पर नियमित कार्मिक व मैड की नियुक्ति की जाएगी। उन्होंने बताया कि पहले दिन 02 बच्चों का पंजीयन किया गया है। सीडीपीओ सीमा गहलोत ने व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी दी। संचालन सुपरवाइजर ज्योति वर्मा ने किया। इस दौरान दीनदयाल सैनी, एसजेईडी डीडी नगेंद्र सिंह, महिला अधिकारिता सहायक निदेशक जयप्रकाश, सीडीपीओ शिवराज सिंह, चूरू शहर सीडीपीओ चन्द्रकला शर्मा, जयकौर, शशिकला, शीतल, ज्योति, प्रथम एनजीओ टीम प्रभारी टीपू चौहान, रॉकेट लर्निंग टीम से प्रतीक्षा, इमरान सहित महिला व बाल विकास के कार्मिक मौजूद रहे।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।